शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 110 | गुवाहाटी | मंगलवार, 19 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कनाडा सरकार ने की कई गलतियां : ट्रूडो पेज 2
उदालगुड़ी जिला आयुक्त कार्यालय में मंत्री पीयूष ने की समीक्षा बैठक पेज 3
महाकुंभ में मन मोह लेगी 90 से ज्यादा प्रजातियों के पक्षियों का कलरव पेज 5
यूएसपीएल सीजन 3 : शुभम रंजने होंगे मैरीलैंड मेवरिक्स के कप्तान पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

वृद्धजन की सेवा ही विनय का आधार है।

– आचार्य चाणक्य

मणिपुर में कोकोमी का बड़ा प्रदर्शन सरकारी कार्यालयों पर जड़ा ताला

जिरीबाम में हुई गोलीबारी में फिर एक की मौत

इंफाल (एजे/हि.स.)। मणिपुर में हिंसा और विरोध प्रदर्शन का दौर थमता नहीं दिख रहा है। जिरीबाम में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के बाद इंफाल घाटी के लोगों में आक्रोश है। सोमवार को मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति (कोकोमी) ने इंफाल पश्चिम जिले में कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सरकारी कार्यालयों पर ताला जड़ दिया। उधर, मणिपुर सरकार ने प्रदेश के सात जिलों में इंटरनेट सेवा को बुधवार तक निलंबित कर दिया है। मणिपुर के अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने लाम्फेलपत में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पर धावा बोला। इसके बाद कार्यालय के मुख्य गेट पर जंजीर बांधकर ताला लगा दिया। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने ताकील में जैव संसाधन और सतत विकास संस्थान के मुख्य कार्यालय के दरवाजे और अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय के गेट पर भी ताला जड़ दिया। अधिकारियों का कहना है कि संदिग्ध आतंकियों पर जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या का आरोप है। इसी घटना के विरोध में कोकोमी विरोध प्रदर्शन कर रहा है। संगठन ने सरकार से न्याय की मांग की। कोकोमी संगठन *कुकी जो हमार* उग्रवादियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की मांग कर रहा है। इंफाल के ख्वाइरामबंद बाजार में पिछले तीन

दिन से संगठन का धरना प्रदर्शन जारी है। विरोध प्रदर्शन में शामिल फिल्मी हस्ती लाइमायम सुरजकांता ने कहा कि हम जिरीबाम में कुकी जो हमार उग्रवादियों द्वारा तीन महिलाओं और तीन बच्चों की बर्बर हत्या को बर्दाश्त नहीं करेंगे। केंद्र सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए। बता दें कि मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति मैतेई समुदाय का संगठन है। यह जातीय समूह इंफाल घाटी में बहुल है। इंफाल घाटी में कुल पांच जिले आते हैं। मणिपुर में 11 नवंबर को जिरीबाम जिले के एक शिविर से छह लोग लापता हो गए थे। -शेष पृष्ठ दो पर

जिरीबाम से लापता पांच लोगों के शवों का पोस्टमार्टम पूरा हुआ

सिलचर। मणिपुर के जिरीबाम जिले से लापता हुए पांच लोगों के शवों का असम के सिलचर शहर के एक सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम पूरा हो गया है। मणिपुर के जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी-जो उग्रवादियों के बीच 11 नवंबर को हुई मुठभेड़ के बाद लापता हुए छह लोगों में से पांच के शव पिछले कुछ दिनों में जिरीबाम में जिरी नदी और असम के कछार में बराक नदी में पाए गए और उन्हें *अत्यधिक सड़ी-गली अवस्था* में सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) लाया गया। मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए थे। मीतेई समुदाय के तीन महिलाओं और बच्चों सहित छह लोग जिरीबाम के बोरोबेकरा क्षेत्र में एक राहत शिविर से लापता हो गए थे और कथित तौर पर कुकी-जो उग्रवादियों द्वारा उनका अपहरण कर लिया गया था। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने -शेष पृष्ठ दो पर

शांति बहाली के लिए 50 केंद्रीय बल की टुकड़ियां तैनात करेगा केंद्र

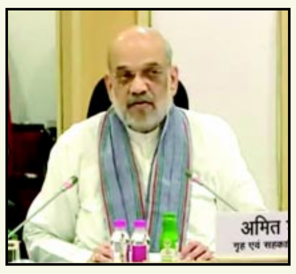

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मणिपुर में तनाव के चलते गृह मंत्रालय ने राज्य में अपनी सुरक्षा तैनाती बढ़ाने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने मणिपुर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की अतिरिक्त 50 कंपनियों को भेजने का निर्णय किया है। इसमें कुल 5,000 से अधिक जवान होंगे। इससे पहले 20 कंपनियों की तैनाती की गई थी। ऐसे में अब राज्य में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सीएपीएफ की कुल 70 इकाइयां तैनात की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में महिला और बच्चों के शव -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने मांगा अमित शाह का इस्तीफा

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मणिपुर में स्थिति ठीक नहीं हो रही है। हमारी मांग है देश के गृह मंत्री इस्तीफा दें। जयराम रमेश प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, तीन मई से मणिपुर जल रहा है। पीएम मोदी मणिपुर को छोड़ कर सभी जगह चले गए लेकिन मणिपुर नहीं गए। रमेश ने कहा कि हमारी पहली मांग है कि पीएम मोदी पार्लियामेंट सेशन से पहले मणिपुर जाएं। वहां की पार्टियों से मिलें। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पॉक्सो मामला : सत्र न्यायाधीश ने व्यक्ति को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई

रंगिया (विभास)। पॉक्सो मामले में दोषी एक व्यक्ति को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवं रंगिया के विशेष न्यायाधीश अदालत ने बाईहाटा के दिनेश दास को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मामला सन 2020 में बाल संरक्षण अधिकारी मून मून साधनीदार नेओग की शिकायत के आधार पर बाईहाटा -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी हवाई अड्डे पर 10 दिन में 1.74 लाख यात्रियों ने की आवाजाही

गुवाहाटी। लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे पर छह नवंबर से 10 दिन में 1.74 लाख यात्रियों ने आवाजाही हुई। अदाणी समूह द्वारा नियंत्रित इस हवाई अड्डे ने बयान में कहा कि गुवाहाटी स्थित एलजीबीआई हवाई अड्डे ने इस महीने 10 दिन में 1,202 उड़ानों का सफलतापूर्वक संचालन किया तथा यात्रियों के लिए सुचारू परिचालन -शेष पृष्ठ दो पर

झाड़खंड 25 साल का हो गया, अब नई शुरुआत करनी होगी : मुख्यमंत्री हिमंत

धनबाद (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री और झाड़खंड चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को टुंडी विधानसभा क्षेत्र के तोपचांची मदयडीह स्टेडियम में जन आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि झाड़खंड 25 साल का हो गया है। अब एक नए झाड़खंड की शुरुआत हम सभी को मिलकर करनी है। हिमंत ने कहा कि राजमहल, पाकुड़ और जामताड़ा जैसे जिलों में शुक्रवार को स्कूल बंद रहता है। वहां के लोगों ने बताया कि शिक्षकों को नमाज पढ़ना रहता है, इसलिए शुक्रवार को स्कूल बंद रहता है। हमें भी मंगलवार को स्कूल छुट्टी चाहिए। हमें हनुमान जी की पूजा के लिए मंदिर जाना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि जो इरफान अंसारी और आलमगीर आलम बोलते हैं, वही हेमंत सोरेन करते हैं। हमारी देश की संस्कृति और सभ्यता को ये खत्म कर देना चाहते हैं। शर्मा ने कहा कि हेमंत सोरेन पाकिस्तान की संस्कृति हमारे यहां लाने का काम कर रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत विश्व ने डुमरी में किया रोड शो

गिरिडीह (हि.स.)। झाड़खंड विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को असम के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने डुमरी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा गठबंधन प्रत्याशी यशोदा देवी के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान विश्व शर्मा ने कहा कि हिन्दू एकता में बड़ी ताकत है। जब-जब हिन्दू एक हुए हैं तब-तब समाज में परिवर्तन हुआ है। अयोध्या राममंदिर हिन्दू एकता का ताजा उदहारण है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव झाड़खंड की रोटी, -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु पर जांच से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत के मामले की जांच की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने जनहित याचिका खारिज करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट हर चीज का समाधान नहीं है। सरकार चलाना कोर्ट का काम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा था कि याचिका में उन नेताओं के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक और गैरजिम्मेदाराना आरोप लगाए गए हैं जो अब जीवित नहीं हैं। यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता ने याचिका में महात्मा गांधी को भी नहीं बख्शा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की प्रामाणिकता का परीक्षण किया जाना आवश्यक है। याचिकाकर्ता पिनाक मोहंती ने अपनी याचिका में कहा है कि वह विश्व मानवाधिकार संरक्षण संगठन के कटक जिला सचिव हैं। उन्होंने जनहित और लोगों के मानवाधिकारों के लिए क्या -शेष पृष्ठ दो पर

चुनावों के दौरान ईसी ने एक हजार करोड़ रुपए जब्त किए

नई दिल्ली (हि.स.)। महाराष्ट्र, झाड़खंड और विभिन्न राज्यों में चल रहे चुनाव के दौरान 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा की जब्ती की गई है। महाराष्ट्र, झाड़खंड में 2019 के मुकाबले इस बार 7 गुना ज्यादा जब्ती की गई है। इन दोनों राज्यों में 20 को मतदान है। आयोग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि आगामी दो दिन भी अधिकारी मुस्तैदी के साथ इस तरह के प्रलोभनों पर सख्त नजर बनाए रखें। चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार परिवर्तन एजेंसियों ने 1000 करोड़ रुपए की नकद, शराब, नशीली दवाएं, मुफ्त सामग्री और अन्य प्रलोभनों की जब्ती की है। अकेले महाराष्ट्र और झाड़खंड से 858 करोड़ रुपए की जब्ती की गई है। यह 2019 के मुकाबले 7 गुना है। 2019 में चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र और झाड़खंड में थमा चुनाव प्रचार का शोर

20 को डाले जाएंगे वोट, 23 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और झाड़खंड के दूसरे चरण के चुनाव के लिए आज प्रचार समाप्त हो गया। झाड़खंड में पहले चरण के 43 सीटों के लिए वोटिंग 13 नवंबर को हो चुकी है। महाराष्ट्र की 288 सीटों के लिए एक चरण में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 2,086 स्वतंत्र दावेदार हैं। हालांकि, इस बार, पिछले दो वर्षों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग होने से राजनीतिक परिदृश्य अधिक खंडित है। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 149 उम्मीदवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार और डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने 59 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। विपक्षी महा विकास अघाड़ी में, कांग्रेस ने 101 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के 95 उम्मीदवार और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के 86 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव प्रचार में नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और कई केंद्रीय मंत्रियों जैसे प्रमुख नेताओं ने -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना के मंदिर परिसर में जोरदार विस्फोट, पुजारी घायल

रंगारेड्डी। सोमवार को तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के मैलारदेवपल्ली थाना क्षेत्र के लक्ष्मीगुडा रोड पर स्थित एक मंदिर परिसर में जोरदार विस्फोट हुआ। यह धमाका मंदिर के पास हुआ, जहां पुजारी परिसर की सफाई कर रहे थे। धमाके के कारण पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। विस्फोट के समय पुजारी मंदिर परिसर की सफाई कर रहे थे। धमाके में वह बुरी तरह घायल हो गए और -शेष पृष्ठ दो पर

ब्राजील में प्रवासी भारतीयों ने वैदिक मंत्रों के साथ किया पीएम मोदी का भव्य स्वागत

नई दिल्ली (हि.स.)। तीन देशों की यात्रा पर निकले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को ब्राजील पहुंचे और वहां भारतीय प्रवासियों ने पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। राजदूत सुरेश रेड्डी के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधियों ने रियो डी जेनेरियो में उनका स्वागत किया। रियो डी जेनेरियो में पारंपरिक पोशाक पहने वैदिक विद्वानों के समूह ने प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में संस्कृत श्लोकों का उच्चारण किया। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर गरबा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में उतरा हूं। मैं शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं और विभिन्न विश्व नेताओं के साथ उपयोगी बातचीत की -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूजीलैंड में रैली निकाल रहे खालिस्तान चरमपंथियों को कड़ा संदेश

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के एक व्यक्ति ने हाल ही में खालिस्तानी समर्थकों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अपने देश लौट जाओ। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और यह संदेश दुनिया भर में बढ़ते हुए अलगाववादी चरमपंथ के विरोध का प्रतीक बन गई है। ऑकलैंड में एक न्यूजीलैंड बास्केटबॉल जर्सी पहने हुए इस व्यक्ति ने खालिस्तानी झंडे को लेकर कड़ी आलोचना की और कहा कि न्यूजीलैंड में सिर्फ न्यूजीलैंड का झंडा ही ऊंचा होना चाहिए। उसने यह भी सवाल उठाया कि आपको क्या लगता है कि आप इस देश में आ सकते हैं, जब सैनिकों ने इस देश के लिए अपनी जान दी और विदेशी जमीन पर दफन हैं? यह टिप्पणी उन न्यूजीलैंडर्स के बलिदान को याद दिलाती है जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, न कि ऐसे विभाजनकारी विचारधाराओं के लिए जो विदेशों से आई हैं। यह घटना 17 नवम्बर को ऑकलैंड में आयोजित एक *खालिस्तान जनमत संग्रह* के बाद हुई। इस जनमत संग्रह में खालिस्तानी समर्थक एक अलग राज्य की मांग कर रहे थे। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने तलवारों का प्रदर्शन किया, जो इस आंदोलन के उग्र रूप को दिखाता है। हालांकि इस जनमत संग्रह का कोई कानूनी या राजनीतिक महत्व नहीं था, फिर भी यह एक और प्रयास था जो समाज में विभाजन पैदा करने का था, और यह भी भारतीय धरती से बाहर की कोशिश थी। यह घटना न केवल न्यूजीलैंड, बल्कि दुनिया भर के लोकतंत्रों के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कनाडा सरकार ने की कई गलतियां : टूडो

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने स्वीकार किया है कि उनकी सरकार ने कुछ गलतियां की हैं। टूडो ने यूट्यूब पर एक 6 मिनट से अधिक का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कनाडा की इमीग्रेशन नीति में बड़े बदलाव की बात की। बढ़ती जनसंख्या, महंगाई और नौकरियों की कमी के कारण टूडो को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। पिछले महीने, कनाडाई सरकार ने घोषणा की थी कि वह अगले साल पीआर (स्थायी निवास) की संख्या में 18 प्रतिशत से अधिक की कमी करेगी। 2025-27 इमीग्रेशन योजना के तहत यह फैसला लिया गया था। टूडो ने अपने वीडियो में स्थायी निवासियों की संख्या में गिरावट और अस्थायी विदेशी कामकाजी कार्यक्रमों में बदलाव की जानकारी दी। टूडो ने कहा कि पिछले दो सालों में हमारी जनसंख्या तेजी से बढ़ी है। कुछ फर्जी कॉलेज और बड़े कॉर्पोरेशनों ने अपनी मंशा के लिए हमारे इमीग्रेशन सिस्टम का दुरुपयोग किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद, कामकाजी लोगों को देश में लाने की मांग बढ़ी थी। हमने कामकाजी लोगों को बुलाया क्योंकि उस समय यह सही कदम था। हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ी, रेस्तरां और दुकानें फिर से खुलीं, और व्यापार चलते रहे, लेकिन कई लोगों ने इसका गलत फायदा उठाया और सिस्टम को धोखा देने का काम किया। टूडो ने आगे कहा कि बहुत से कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का शोषण करते हैं। इस धोखाधड़ी को रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कुछ शिक्षा संस्थाओं ने घरेलू छात्रों की तुलना में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से हजारों डॉलर अधिक शुल्क लिया। इसके अलावा, टूडो ने यह भी माना कि कनाडा ने इन समस्याओं का समाधान करने में देरी की। जब महामारी के बाद स्थिति सुधरी, तब कई व्यवसायों को अब अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत नहीं थी। टूडो ने कहा कि कनाडा अगले दो सालों में जनसंख्या वृद्धि को रोकने की कोशिश करेगा और 2027 के बाद इसे धीरे-धीरे बढ़ाना शुरू करेगा। उन्होंने बताया कि कनाडा ने स्थायी निवास की संख्या में लगातार कमी की है। 24 अक्तूबर को, कनाडा की इमीग्रेशन, रिफ्यूजीज और सिटीजनशिप (आईआरसीसी) ने 2025 में पीआर की संख्या 500,000 से घटाकर 395,000 करने का ऐलान किया। 2026 के लिए यह संख्या 380,000 और 2027 में 365,000 करने का लक्ष्य है। इस साल पीआर की संख्या 485,000 थी। कनाडा में प्रवासियों की बढ़ती संख्या के साथ-साथ घरों की कीमतें भी बढ़ी हैं, जिसके कारण लोगों को रहने में कठिनाइयां हो रही हैं।

प्रथम वाहिनी एसएसबी का पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

गुवाहाटी (हि.स.)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) उन क्षेत्रों में पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर रहा है, जहां ग्रामीणों को पशु चिकित्सा संबंधित पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों के लोगों तक पहुंचने की निरंतरता में सीमांत मुख्यालय एसएसबी, गुवाहाटी के कमांडेंट (पशु चिकित्सा) डॉ. केके सिंह के सहयोग और एसएसबी, सोनापुर के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में नलबाड़ी जिला के जुगाबारी गांव में पशु चिकित्सा नागरिक कार्यक्रम के तहत पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

फकीराग्राम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुरू हुआ खेल महारण 2.0

कोकराझाड़ (हि.स.)। असम सरकार के निर्देशानुसार राज्य के अन्य हिस्सों की तरह बोडोलैंड टेरीटोरियल रीजन (बीटीआर) के कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के द्वारा फकीराग्राम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आज से खेल महारण 2.0 का आयोजन किया गया। आज के इस कार्यक्रम में फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, म्युनिसिपल बोर्ड के उपाध्यक्ष परेश देवनाथ, थाना प्रभारी बुशिंग बे, म्युनिसिपल बोर्ड के वार्ड नंबर 3 के सदस्य चिनी राम दास और विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र देवनाथ उपस्थित रहे। करीब पचास से अधिक खिलाड़ी और फकीराग्राम के कई गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। आज के कार्यक्रम का आरंभ फुटबॉल प्रतियोगिता से किया गया। खेल महारण में युवा पुरुष और महिलाएं उत्साह और उमंग के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा को निखारने का सुनहरा अवसर प्राप्त कर रहे हैं। म्यूनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का एक बेहतरीन मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के इस प्रयास के लिए आभार प्रकट किया।

No. DME/UG/17/2024/535433/24 Dated Guwahati the 18th November, 2024

EDUCATIONAL NOTICE

SPECIAL ROUND ONLINE COUNSELLING FOR ADMISSION INTO VACANT BDS SEATS IN THE GOVERNMENT DENTAL COLLEGES OF ASSAM, FOR THE SESSION 2024

This is for information of all concerned that as per new time schedule published by the Government of India a Special Round Online Counselling for Admission into the vacant BDS seats in the Government Dental Colleges of Assam for the session 2024 under State quota seats, is going to be held under this Directorate. Candidates who have qualified in the National Eligibility cum Entrance Test (NEET-UG-2024) conducted by National Testing Agency (NTA) may participate in the Online counselling provided they fulfill all eligibility criteria mentioned in the Medical Colleges and Dental Colleges of Assam, (Regulation of Admission into 1st year MBBS/BDS courses) Rules, 2017 amended upto 2024.

However, in pursuance of Hon'ble Supreme Court of India order dated 22/07/2023 in Contempt Petition (C) No. 289 of 2022 in W.P.(C) No. 223 of 2022 and Information Bulletin & Counselling Scheme for 2024 published by Medical Counselling Committee (Point 6 at Page 12) it is to be noted that candidate who joined upto round 3 of AR) or State Quota shall not be eligible to participate in the further rounds of All India Quota or for State Quota.

Online Portal for the counselling will be available at the official website of this Directorate www.dme.assam.gov.in. There will be no further registration. Online Filling of Choice will be available for candidates who registered for Stray round on 25/11/2024 to 26/11/2024 (upto 5 PM) and Locking of choice will be on 26/11/2024 (4 PM to 11:55 PM), after which the choice will be locked automatically if not locked earlier by the candidate. Processing of seat allotment will be on 27/11/2024 & 28/11/2024. After processing the data, the result will be displayed along with modalities of admission on 29/11/2024. The provisionally selected candidates shall have to get admitted in the respective allotted institutions on 05/12/2024.

For eligibility for participating in the Special round online counselling please refer to Notice issued by the Directorate General of Health Services, Government of India vide No. Ref.U-11011/01/2024-MEC, dated 22/10/2024.

Sl. No.	Schedule	Date
1	Online filling of Choice	25/11/2024 and 26/11/2024 (upto 5 PM)
2	Online Locking of Choice	26/11/2024 (4 PM to 11:55 PM)
3	Processing of Seat Allotment	2711112024 & 28/1112024
4	Result	29/11/2024
5	Reporting/Joining	05/12/2024

Candidates are directed to visit the official website of this Directorate www.dme.assam.gov.in regularly for updates.

Sd/-
Prof.
Director of Medical Education, Assam

-- Janasanyog /D/8896/24/19-Nov-24

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में कोकोमी ...

इसके बाद शुक्रवार को जिरी नदी में तीन लोगों के शव मिले थे। रविवार को असम के कछार जिले में बराक नदी में दो और शव मिले। माना जा रहा है कि यह शव भी लापता लोगों के ही हैं। असम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि अब तक कुल पांच शव मिल चुके हैं। इस बीच सुरक्षा बलों और सशस्त्र लोगों के बीच हुई मुठभेड़ में 10 कुकी युवकों की भी जान गई है। कानून व्यवस्था के मद्देनजर इंफाल घाटी के इंफाल पूर्व और पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू किया गया है। प्रशासन ने इंटरनेट पर पाबंदी दो अन्य जिलों कांगपोकपी और चुराचांदपुर में बढ़ा दी है। अब कुल सात जिलों में 20 नवंबर को शाम सवा पांच बजे तक इंटरनेट सेवा निलंबित रहेगी। पिछले साल मई में इंफाल घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ों पर रहने वाले कुकी लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़की थी। अब तक 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। उधर मणिपुर के जिरीबाम में हुई एक गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों और संपत्ति की तोड़फोड़ कर रही भीड़ के बीच झड़प के दौरान हुई गोलीबारी में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई है। पुलिस ने मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि गोली किसने चलाई। यह घटना रविवार की देर रात उस समय हुई, जब उग्रवादियों द्वारा अगुवा की गई महिलाओं और बच्चों की हत्या के विरोध में जिरीबाम थाना क्षेत्र के बाबूपारा में प्रदर्शनकारियों द्वारा संपत्ति की तोड़फोड़ की जा रही थी। गोलीबारी में मृतक युवक की पहचान के 20 वर्षीय अथौबा के रूप में हुई है। जिरीबाम में बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। साथ ही सुरक्षा बलों द्वारा कड़ी निगरानी की रही है और लाउडस्पीकरों के जरिए लोगों को शांति बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान नहीं देने को कहा जा रहा है।

जिरीबाम से लापता ...

बताया कि सभी पांच शवों का पोस्टमार्टम एसएमसीएच में किया गया है। संबंधित डॉक्टर रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने कहा कि अब मणिपुर पुलिस शवों को वापस उनके राज्य ले जाने तथा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सौंपने के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी, लेकिन यह कब किया जाएगा, यह अभी ज्ञात नहीं है। इसके साथ ही छह में से पांच लोगों का पता लगा लिया गया है, जबकि एक लापता है। असम पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कछार जिले की स्थानीय इकाई छठे व्यक्ति का पता लगाने के लिए बराक नदी में तलाशी अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि मणिपुर पुलिस ने हमें बताया है कि उन छह लोगों की हत्या करके उन्हें नदी में फेंक दिया गया है। कल ही जिरीबाम से बहकर आए दो शवों को बाहर निकाला गया। अधिकारी ने बताया कि सभी शव एसएमसीएच मुर्दाघर में *अत्यधिक सड़ी-गली* अवस्था में पहुंचे। प्रारंभ में, एक महिला और दो बच्चों के शव जिरीबाम में जिरी नदी में तैरते पाए गए और शुक्रवार को उन्हें एसएमसीएच लाया गया। असम के पड़ोसी कछार जिले में रविवार सुबह बराक नदी में एक महिला और एक बच्चे के दो और शव तैरते हुए पाए गए।

शांति बहाली के ...

बरामद होने पर शनिवार को इम्फाल घाटी के कई जिलों में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क उठी और कई विधायकों के आवासों पर हमला कर संपत्ति को नष्ट कर दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियां रद्द कर तत्काल दिल्ली लौटे और रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की थी। उच्च स्तरीय बैठक का आज दूसरा दिन था। इससे पहले गृह मंत्रालय ने सुरक्षा बलों को मणिपुर में व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए थे।

कांग्रेस ने मांगा...

सामाजिक संस्थाओं से मिलें। रिलीफ कैंप जाएं। मणिपुर के पार्टी डेलिगेशन से भी मिलें। वहीं, हमारी दूसरी मांग यह है कि पीएम मोदी मणिपुर पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि 31 जुलाई 2024 से मणिपुर में फुल टाइम गवर्नर नहीं है। इससे पहले एक प्रतिष्ठित आदिवासी महिला राज्यपाल थीं, उन्हें क्यों हटाया गया ये उनकी मानसिकता को दर्शाता है। पिछले अठारह महीने से ऐसा लगता है कि पीएम मोदी ने गृह मंत्री के ऊपर मणिपुर को छोड़ दिया है। क्यों गृहमंत्री ने मणिपुर के मुख्यमंत्री की विफलता पर आंख बंद कर ली है। भाजपा के विधायक इस्तीफा दे रहे हैं लेकिन गृह मंत्री एक असफल सीएम को बचा रहे हैं। हमारी ये भी मांग है कि अगर भाजपा और केंद्र सरकार ड्रग्स माफिया पर सच में और ईमानदारी से कार्रवाई करना चाहती है तो केस को लंबित क्यों रखा गया है? राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का इस्तेमाल करिए लेकिन कुछ नहीं हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में एक अहम बैठक करेंगे और वहां की स्थिति की समीक्षा करेंगे। रविवार को गृह मंत्रालय ने मणिपुर की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया था। गृह मंत्रालय ने शनिवार को मणिपुर में तैनात सभी सुरक्षा बलों को शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए थे। मणिपुर में महिलाओं और बच्चों के शव बराक नदी से बरामद किए जाने के बाद से स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। हिंसा प्रभावित इलाकों में भारी संख्या में जवानों की तैनाती की गई है। मणिपुर के जिरिबाम में नदी से तीन शव मिलने के बाद लोगों का गुस्सा फूट गया। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने भाजपा के विधायकों और मंत्रियों के घर का रुख किया लेकिन जब उन्हें पता चला कि मंत्री जी राज्य में नहीं है। इसके बाद नाराज लोगों ने घर में तोड़ फोड़ और आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया। हिंसा के विरोध में लोगों ने इंफाल में प्रदर्शन किया गया। हालात को देखते हुए इंफाल में इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सात जिलों में इंटरनेट को बंद कर दिया गया। आरोप है कि उग्रवादियों ने अपहरण के बाद इनकी हत्या कर दी।

झाड़खंड 25 साल...

रामनवमी में ये हमारे जुलूस निकलने पर रोक लगाते है। मोहर्रम का जुलूस यह निकलने देते हैं। यह सरकार हिन्दू समाज का विरोध करती है। यह देश प्रभु श्री राम का है। हम श्री राम को मानते है। यह हिंदू विरोधी सरकार है। उन्होंने टुंडी से भाजपा प्रत्याशी विकास कुमार महतो के समर्थन में वोट की अपील करते हुए कहा कि 20 तारीख को इस सरकार को गंगा मैया को सौंप दो। शर्मा ने कहा कि हमलोगों को अब एक होना होगा। हिन्दू में शक्ति है। हम एक होंगे तभी शक्ति होगी। हिन्दू एक होते हैं तो बाबरी मस्जिद टूटती है और राम मंदिर बनता है। यह चुनाव मथुरा महतो और विकास महतो का चुनाव नहीं है। यह हमारे धर्म संस्कृति और समाज को बचाने का चुनाव है। साथ ही कहा कि इरफान अंसारी और आलमगीर आलम झाड़खंड को खा जाएंगे।

हिमंत विश्व ने ...

माटी, बेटी को बचाने का चुनाव है। उन्होंने हेमंत सोरेन सहित मंत्री इरफान अंसारी, आलमगीर आलम पर जमकर निशाना साधा और कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही इन सबके खिलाफ कार्रवाई होगी। साथ ही उन्होंने संताल में कई स्कूलों को शुकवार को बंद किये जाने, बालू की तस्करी, बांग्लादेशी घुसपैठियों सहित कई अन्य मुद्दों पर भी खुलकर राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि भाजपा की सरकार बनी तो गरीबों को घर बनाने के लिए फ्री बालू मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी ...

काम किया है। चेन्नई में सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा है कि न्यायिक शक्ति का स्वतंत्र प्रयोग न केवल न्यायाधीश का विशेषाधिकार है, बल्कि यह उनका कर्तव्य भी है। इसलिए यह जरूरी है कि जज कानून की अपनी समझ और अपनी अंतरात्मा के अनुसार मामलों पर निर्णय लें तथा अन्य विचारों से प्रभावित न हों। न्यायमूर्ति एस नटराजन शताब्दी स्मृति व्याख्यान में जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अंततः न्यायाधीशों का दृढ़ विश्वास, साहस और स्वतंत्रता ही अदालत के समक्ष मामलों का फैसला करती है। उन्होंने कहा कि अदालत व्यवस्था के भीतर न्यायिक स्वतंत्रता के पहलू से अलग-अलग राय या असहमतिपूर्ण राय को न्यायाधीशों की पारस्परिक स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सबसे प्रबुद्ध रूप है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि उन्होंने और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने संवैधानिक पीठ के मामलों पर असहमति जताई थी। उन्होंने यह भी कहा कि केवल एक स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका ही न्यायिक समीक्षा की अपनी शक्ति का प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सकती है।

चुनावों के दौरान ...

आयोग ने महाराष्ट्र से 103.6 करोड़ और झाड़खंड से 18.76 करोड़ रुपए की जब्ती की थी। आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र से 153.48 करोड़ नकद, 71.13 करोड़ शराब, 72.14 करोड़ नशीली दवाएं, 282.49 करोड़ की कीमती धातुएं, 80.94 करोड़ के उपहार मिलाकर कुल 660.18 करोड़ रुपए की जब्ती की है। दूसरी और झाड़खंड में 14.84 करोड़ नकद, 7.84 करोड़ शराब, 14.84 करोड़ नशीली दवा, 8.38 करोड़ कीमती धातुएं, 152 करोड़ के उपहार और कुल मिलाकर 198.12 करोड रुपए की कुल जब्ती की गई है। इसके अलावा अन्य राज्यों में उपचुनाव के दौरान कुल 223.91 करोड़ रुपए की जब्ती की गई है। इस दौरान पालघर जिले के वाडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक संदिग्ध जीप से 3.70 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई। एक अन्य उल्लेखनीय घटना में बुलढाणा जिले के जामोद एसी में, 4.51 करोड़ रुपए मूल्य के 4500 किलोग्राम गांजा के पौधे जब्त किए गए। रायगढ़ में, 5.20 करोड़ रुपए मूल्य की चांदी की छड़ें जब्त की गईं। झाड़खंड में भी रिकॉर्ड जब्ती देखी गई और इस बार फोकस अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने पर भी था, जिसके परिणामस्वरूप अवैध खनन सामग्री और मशीनों की जब्ती हुई। एक ही घटना में, साहिबगंज जिले के राजमहल एसी में 2.26 करोड़ रुपए की अवैध खनन सामग्री जब्त की गई और ऐसी कई कार्रवाइयों में अवैध खनन गतिविधियों से संबंधित जब्ती शामिल थी। एक अन्य फोकस क्षेत्र पड़ोसी राज्य से ड्रग्स की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखना था। डाल्टनगंज में 687 किलोग्राम पोस्त चूर्ण जब्त किया गया जबकि हजारीबाग में 48.18 किलोग्राम मारिजुआना जब्त किया गया। उपचुनावों में भी कड़ी निगरानी के कारण सभी समूहों में काफी मात्रा में शराब जब्त की गई है। राजस्थान में बड़ी जब्ती की घटनाओं में नागौर में एक पड़ोसी राज्य से दूसरे राज्य में ले जाए जा रहे शराब के 449 कार्टन जब्त किए गए। कार्टन आलू के कई डिब्बों के पीछे छिपाए गए थे।

महाराष्ट्र और झाड़खंड ...

अपने उम्मीदवारों के लिए वोट जुटाने के लिए राज्य भर में प्रचार किया। महायुति महिलाओं के लिए माझी लड़की बहिन जैसी अपनी लोकप्रिय योजनाओं पर भरोसा कर रही है, जिससे उसे सत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी। भाजपा द्वारा *बटेंगे तो कटेंगे* और *एक है तो सेफ है* जैसे नारों के इस्तेमाल ने विपक्षी दलों को महायुति पर धार्मिक आधार पर मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाने के लिए प्रेरित किया। एमवीए गठबंधन ने जाति-आधारित जनगणना, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके सत्तारूढ़ गठबंधन की बयानबाजी का मुकाबला किया। विपक्ष का लक्ष्य उन मतदाताओं से अपील करना था जो सरकार द्वारा उपेक्षित महसूस करते थे। झाड़खंड में दूसरे चरण के तहत 20 नवंबर को 38 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण की अधिसंख्य सीटें संथाल और कोयलांचल क्षेत्रों में स्थित हैं। इस चरण में भी कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर रहने वाली है। वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रबींद्रनाथ महतो, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो, वर्तमान मंत्री इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, बेबी देवी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। दूसरे चरण में कुल 528 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। 13 नवंबर को पहले चरण में 43 सीटों पर 66.65 फीसदी लोगों ने हिस्सा लिया था।

तेलंगाना के मंदिर ...

उन्हें तत्काल अस्पताल भेजा गया। उनकी हालत के बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह बताया जा रहा है कि उनकी चोटें गंभीर हैं। विस्फोट की सूचना मिलते ही मैलारदेवपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया। दोनों टीमें उस स्थान की जांच कर रही हैं, जहां धमाका हुआ था। पुलिस अधिकारी और विशेषज्ञ यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि विस्फोट का कारण क्या था और यह किस प्रकार हुआ। एसीपी राजेंद्र नागर ने इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विस्फोट लक्ष्मीगुडा रोड पर स्थित मंदिर के पास हुआ। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब मंदिर का पुजारी परिसर की सफाई कर रहा था। धमाके में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल भेजा गया। हम पूरी तरह से मामले की जांच कर रहे हैं, जल्द ही और जानकारी सामने आएगी। पुलिस और बम निरोधक दल घटना स्थल पर जांच कर रहे हैं, लेकिन अभी तक विस्फोट के कारण के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। जांच पूरी होने के बाद ही इस घटना की असली वजह का पता चल सकेगा। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के एक मंदिर परिसर में हुआ विस्फोट एक गंभीर घटना है, जिसमें पुजारी घायल हो गए हैं। पुलिस और बम निरोधक दल जांच कर रहे हैं और मामले की सही वजह जल्द ही सामने आने की उम्मीद है।

ब्राजील में प्रवासी ...

प्रतीक्षा कर रहा हूं। उन्होंने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा कि रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा दिए गए गर्मजोशी भरे और जीवंत स्वागत से मैं अभिभूत हूं। उनकी ऊर्जा उस स्नेह को दर्शाती है, जो हमें महाद्वीपों के पार बांधता है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि ब्राजील में भारतीय संस्कृति का जश्न। रियो डी जेनेरियो में यादगार स्वागत के लिए आभार। विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार ब्राजील में भारत की संस्कृति, धर्म, प्रदर्शन कला और दर्शन में काफी रुचि है। रामकृष्ण मिशन, इस्कॉन, सत्य साईं बाबा आंदोलन, महर्षि महेश योगी के अनुयायी और भक्ति वेदांत फाउंडेशन जैसे संगठनों की ब्राजील में सक्रिय शाखाएं हैं। भारतीय दर्शन और आध्यात्मिकता ब्राजील के साथ प्रतिध्वनित होने वाले भारतीय संस्कृति के शुरुआती तत्वों में से थे, जो देश की जीवंत लोककथा परंपराओं और उत्सव की भावना के साथ अच्छी तरह से मेल खाते थे। प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण के तहत सोमवार को ब्राजील पहुंचे, जिसकी शुरुआत नाइजीरिया से हुई थी। वह जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील पहुंचे हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख नेताओं में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन शामिल हैं। मोदी अपनी यात्रा के अंतिम चरण में 19 से 21 नवंबर तक गुयाना का दौरा करेंगे। यह 50 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की गुयाना की पहली यात्रा होगी।

न्यूजीलैंड में रैली निकाल ...

लिए एक चेतावनी है, जो चरमपंथी विचारधाराओं से जूझ रहे हैं। खालिस्तान समर्थक अपनी गतिविधियों के लिए अक्सर इन देशों की स्वतंत्रता का लाभ उठाते हैं, लेकिन नागरिकों का इस तरह का विरोध यह दर्शाता है कि अब ऐसे विचारों के लिए जगह कम होती जा रही है। न्यूजीलैंड, जो अपनी बहुसांस्कृतिक समाज व्यवस्था और शरणार्थियों के प्रति खुले हाथों के लिए जाना जाता है, ने यह दिखाया है कि इन स्वतंत्रताओं के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। विदेशों से हिंसक या अलगाववादी विचारधाराओं का आयात करना उन समाजों के मूल सिद्धांतों को कमजोर कर सकता है जो इन स्वतंत्रताओं को प्रदान करते हैं। ऑकलैंड में हुई यह घटना यह भी दिखाती है कि खालिस्तान समर्थक देशों जैसे न्यूजीलैंड में रहकर उनकी सुरक्षा, समृद्धि और लोकतंत्र का आनंद ले रहे हैं, जबकि वे भारत में अपने उद्देश्य को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीकों से क्यों नहीं आगे बढ़ाते। यह घटना यह भी साबित करती है कि न्यूजीलैंड में पुलिस ने स्वतंत्रता के अधिकार का सम्मान किया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हिंसा या भय फैलाने वाली गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। लोकतंत्रों को स्पष्ट रूप से यह रेखा खींचनी चाहिए कि क्या कुछ कानूनी तरीके से स्वीकार्य है और क्या डर या हिंसा फैलाने वाली गतिविधियां हैं। ऑकलैंड से आए इस संदेश से स्पष्ट है कि दुनिया देख रही है और चरमपंथी विचारधाराओं के लिए धैर्य अब खत्म हो रहा है। खालिस्तानी समर्थक भले ही विदेशी भूमि पर अस्थायी मंच पा लें, लेकिन उनका विभाजनकारी संदेश अंततः नकारा जाएगा। लोकतंत्र एकता और समावेशिता पर आधारित होता है, न कि विदेशी संघर्षों को बढ़ावा देने पर।

पॉक्सो मामला : सत्र ...

चाराली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। और इसके बाद आज अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवं रंगिया के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी दिनेश दास के खिलाफ यह अहम फैसला सुनाने की बात की जानकारी सरकारी अधिवक्ता देवजीत सैकिया द्वारा दी गई है। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश मुकुल चेतिया की विशेष अदालत द्वारा आरोपी दिनेश दास को 20 वर्ष कारावास के साथ जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

गुवाहाटी हवाई अड्डे ...

सुनिश्चित किया। इस दौरान हवाई अड्डे पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय 1.74 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई। कंपनी ने कहा कि 14 नवंबर को एलजीबीआई हवाई अड्डे पर इस साल सर्वाधिक 20,413 से अधिक यात्रियों की आवाजाही हुई और 146 विमान यातायात गतिविधियां (एटीएम) संचालित हुईं। इसी त्यौहारी सप्ताह में, 10 नवंबर को गुवाहाटी हवाई अड्डे पर यात्रियों की आवाजाही का दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड दर्ज किया गया। 131 उड़ान सेवाओं के साथ 20,016 यात्रियों को सेवा प्रदान की गई। एलजीबीआई हवाई अड्डे पर सामान्य दिनों में 127 उड़ान सेवाओं के साथ प्रतिदिन 17,500 यात्रियों का प्रबंधन करता है।

पूसीरे ने मालीगांव में अपने क्रिकेट स्टेडियम को किया अपग्रेड

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने गुवाहाटी के मालीगांव स्थित एनएफआरएसए कॉम्प्लेक्स में अपने अपग्रेडेड क्रिकेट ग्राउंड का उद्घाटन किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि उद्घाटन समारोह में पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव के साथ-साथ जोन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पूसीरे के ओपन लाइन और निर्माण की टीमों के बीच एक मैत्री क्रिकेट मैच खेला गया, जो स्टेडियम की खेल विरासत के पुनरुद्धार का प्रतीक है। 1976 में अपनी स्थापना के बाद से पूसीरे स्टेडियम ने 33 प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैचों की मेजबानी की है, जिसे अब बीसीसीआई मानकों के तहत पुनर्निर्मित किया गया है। पेशेवर आवश्यकताओं के अनुरूप आयामों के साथ, स्टेडियम में एक अर्ध-स्वचालित स्प्रिंकलर सिस्टम, तेज जल-निकासी तंत्र और नए पुनर्जीवित पिच एवं अपक्लास राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैचों के लिए आउटफील्ड सहित आधुनिक अपग्रेड किया गया है। रणजी ट्रॉफी मैचों जैसे हाई-प्रोफाइल आयोजनों की मेजबानी का मार्ग प्रशस्त करने के लिए 1.5 करोड़ रुपए के निवेश से ये उत्थान किए गए। इसके अतिरिक्त, अत्याधुनिक पवेलियन का निर्माण प्रगति पर है और जल्द ही पूरा हो जाएगा। बाद में, राष्ट्रीय स्तर के टेलीविजन क्रिकेट मैचों के संचालन के लिए ग्राउंड में फ्लड लाइट के साथ स्टेडियम लाइटिंग सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी, जिससे इस अंचल में एक प्रमुख खेल केंद्र के रूप में इस स्थल का दर्जा बढ़ेगा। अपग्रेडेड स्टेडियम भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए पूसीरे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पेशेवर एथलीटों के लिए एक मंच होने के अलावा, इस सुविधा का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को प्रेरित और खेल के प्रति उत्साही लोगों की भावी पीढ़ियों को तैयार करना है। अब उपलब्ध विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ, इच्छुक खिलाड़ियों को पेशेवर वातावरण में प्रशिक्षित और प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा तथा खेल कौशल और व्यक्तिगत विकास दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए यह पहल पूसीरे के समर्पण को रेखांकित करती है, जो न केवल खेल संस्कृति को बढ़ाने में, बल्कि सामुदायिक जुड़ाव और युवा सशक्तिकरण में भी योगदान देती है। यह अपग्रेडेड सुविधा उत्कृष्टता का प्रतीक बनने को तैयार है, जो भावी एथलीटों में जुनून एवं समर्पण को बढ़ावा देगा तथा साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर इस अंचल की उपस्थिति को मजबूती प्रदान करेगा।

रंगिया में भयानक सड़क हादसे में एक बच्ची की मौत

रंगिया (विभास)। रास महोत्सव के आनंद और उल्लास के बीच कल रंगिया के तोरोनी में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यह दुर्घटना भारत और भूटान को जोड़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई जिसमें 11 साल की बच्ची रिंपी कलिता की मौत हो गई साथ ही इस दुर्घटना में रिम्पी की मां कविता कलिता गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार रात्रि रास महोत्सव से वापस लौटते समय एक बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी और इस टक्कर से दोनों छिटककर पड़ गए। इसके बाद अस्पताल ले जाते समय रस्ते में ही रिम्पी की मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा बाईक सवार तीनों युवकों को मादक पदार्थों का सेवन कर बाईक चलाने का अभियोग किया गया है। बताया गया है कि बाईक सवार युवकों में दो नलबाड़ी और एक रंगिया का रहने वाला है। पुलिस द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है।

उदालगुड़ी जिला आयुक्त कार्यालय में मंत्री पीयूष ने की समीक्षा बैठक

अधिकारियों से योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया

उदालगुड़ी (हि.स.)। जल संसाधन, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री तथा उदालगुड़ी जिला के अभिभावक मंत्री पीयूष हजारिका ने सोमवार को उदालगुड़ी जिले का दौरा किया तथा जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में विशेष समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। मंत्री ने सांसद दिलीप सैकिया, बीटीआर के उप मुख्य कार्यकारी सदस्य गोविंद चंद्र बसुमतारी तथा कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों से जिला के विकास कार्यों की समीक्षा की। उदालगुड़ी जिले के अभिभावक मंत्री का पदभार संभालने के बाद पहली बार जिले के दौरे पर आए मंत्री ने कृषि, लोक निर्माण तथा जल संसाधन विभागों के कार्यों की समीक्षा की। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के चयन में सावधानी

बरतने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि यदि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन हो तो अकेले कृषि विभाग प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रतिवर्ष 7000 तक लाभार्थियों को सहायता प्रदान कर सकता है। हालांकि, कई बार लाभार्थियों की संख्या कम हो जाती है और कई बार पात्र व्यक्तियों को योजना के बारे में जानकारी न होने के कारण पात्र लाभार्थी वंचित रह जाते हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उचित मंचों पर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दें तथा इस संबंध में जनप्रतिनिधियों से सहायता लें। मंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से भी इस संबंध में आगे आने का आग्रह किया। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को किसानों को समय पर बीज व अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। मंत्री ने विभागीय अभियंताओं को निर्देश दिए कि यदि ठेकेदार निर्धारित समय में कार्य पूरा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मंत्री ने जल संसाधन सहित कई अन्य विभागों के कार्यों की प्रगति का भी संक्षिप्त अवलोकन किया। मंत्री ने कहा कि वे सरकार के विकास कार्यों की समीक्षा करने के लिए कम से कम महीने में एक बार जिले का दौरा करेंगे। उन्होंने सभी से अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते रहने का आग्रह किया।

मारवाड़ी अस्पताल ने पुलिस रिजर्व में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर किया आयोजित

गुवाहाटी (नि.सं.)। मारवाड़ी अस्पताल के सौजन्य से एल एंड टी कंस्ट्रक्शन साइट (पुलिस रिजर्व), एटी रोड, गुवाहाटी में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। मारवाड़ी अस्पताल के डॉक्टरों ने मरीजों की जांच करके उन्हे उचित परामर्श दिया। दो दिवसीय शिविर का समापन 305 लाभार्थियों के साथ हुआ। अधिकांश मरीज जो मुख्य रूप से एल एंड टी कंस्ट्रक्शन के श्रमिक और कर्मचारी थे, बुखार, खांसी, शरीर और जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, पेट दर्द और शुगर की समस्या आदि से पीड़ित थे। इस अवसर पर निःशुल्क दवाइयां, निःशुल्क मधुमेह जांच, निःशुल्क रक्तचाप जांच, निःशुल्क चिकित्सक परामर्श और निःशुल्क वजन जांच की गई। मारवाड़ी अस्पताल का लक्ष्य निकट भविष्य में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करना है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवा और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

तेममं ने समृद्ध राष्ट्र योजना संस्कार शाला का आयोजन किया

गुवाहाटी (नि.सं.)। तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा की अध्यक्षता में समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत संस्कार शाला का आठवां चरण दिगंबर जैन विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र व मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुई। अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा ने सभी का स्वागत किया व कार्यशाला पर प्रकाश डाला। और कहा इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करके उनके सुखद भविष्य का निर्माण करना विद्यालय की प्रधानाचार्य ने महिला मंडल की सभी बहनों का स्वागत किया। पुखराज गोलछा ने नौ बार महाप्राण ध्वनि और उसके साथ एकाग्रता बढ़ाने के लिए बच्चों को सहज व्यायाम व योग मुद्रा का प्रयोग करवाया व इसे रोज करने की प्रेरणा दी। संयोजिका रजनी पगारिया ने बच्चों को अच्छी आदतें व हेल्दी फूड के फायदे बताएं।

मोरीगांव में कपड़ों से लदे ट्रक में लगी आग

गुवाहाटी (हि.स.)। मोरीगांव में राजमार्ग पर एक ट्रक में भीषण आग लग गई। यह आग मोरीगांव जिले में धरमतुल थाने के थेरागुड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर लगी। पुलिस ने आज बताया कि जिस ट्रक (एनएल- 07ए-1158) में आग लगी थी, उसमें कपड़े लदे थे। ट्रक गुवाहाटी से डिमापुर जा रहा था। आशंका जताई जा रही है कि बीती रात ट्रक के डिमापुर की ओर जाते समय एक पहिया फटने से आग लगी। आग लगते ही सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बाद में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया।

जनसमुद्र में तब्दील हुआ विश्वनाथ रास महोत्सव

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ रास महोत्सव लोगों का समुद्र बन गया है। इस साल गायक जुबीन गर्ग बेहद खास अंदाज में नजर आए। लोकप्रिय कलाकार शनिवार रात को तबला वादक के रूप में देखा गया था। मोहिनी के रूप में अभिनय कर रही अभिलाषा दास ने जुबीन गर्ग के तबला वादन पूतना बध नाटिका में नृत्य किया। इसके आलावा पुतनारूपी देवव्रत दाधरा के और शिशु कृष्ण का अभिनय हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।। नंदा का किरदार पत्रकार आमिर खान और उनकी पत्नी जोनमोनी बेगम ने यशोदा का किरदार निभाया ।बेगम की प्रस्तुति ने हजारों श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। विश्वनाथ के मुस्लिम दंपति ने असमिया जातीय सम्प्रति के मौजूदा संबंधों को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया है। फिल्म में कई अलग-अलग तरह के किरदार भी इस रास महोत्सव में आए, लेकिन सबसे खास है उज्वल राजखोवा और बालिन बोरा का किरदार।

विश्वनाथ रास महोत्सव, उत्तरी असम का सबसे बड़ा खुला रास महोत्सव, विश्वनाथ रास महोत्सव की आखिरी रात को युवा पीढ़ी के लोकप्रिय गायक जुबिन गार्ग उपस्थित होकर इस रास महोत्सव को प्रत्यक्ष देखकर अभिभूत हुए और उन्होंने विश्वनाथ को लेकर कुछ करने का प्लानिंग का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विश्वनाथ में पर्यटन के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं विश्वनाथ आया तो मैं एक महीने तक विश्वनाथ में रहा। विश्वनाथ घाट के साथ विश्वनाथ में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं। दूसरी तरफ काजीरंगा है। यह एशिया के सबसे बड़े चाय बागान मोनाबारी का घर है। यहां कई ऐतिहासिक संसाधन हैं। मैं विश्वनाथ के लिए कुछ करूंगा। उन्होंने लोगों से विश्वनाथ को स्वच्छ रखने का भी आग्रह किया। विश्वनाथ इस बीच, लोकप्रिय कलाकार रिशा भारद्वाज ने भी उसी रात रास उत्सव में राधा की भूमिका निभाईवे ऐसा करने में सक्षम हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत

धेमाजी (हि.स.)। धेमाजी जिले के जोनकारेंग रेलवे स्टेशन इलाके में रेलवे ट्रैक से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात जोनकारेंग स्टेशन के रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर रेलवे पुलिस और जोनाई पुलिस की एक टीम पहुंची। पुलिस ने मृत व्यक्ति का शव को अपने कब्जे में लेकर जोनाई पुलिस थाने लेकर आई। पुलिस शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृतक नीले रंग की शर्ट और मक्खन रंग की पैंट पहन रखी थी। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष के आसपास होगी। माना जा रहा है कि गुवाहाटी की ओर जा रही लचित एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत हुई होगी।

युवाओं के बीच कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कोकराझाड़ में *स्किल यात्रा* का उद्घाटन

कोकराझाड़ (हि.स.)। असम स्किल डेवलपमेंट मिशन की कौशल जागरूकता पहल *स्किल यात्रा* का औपचारिक उद्घाटन आज कोकराझाड़ के गर्ल्स कॉलेज ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को *दुनिया की कौशल राजधानी* बनाने के विजन के अनुरूप है। स्किल यात्रा का उद्देश्य कौशल विकास के अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से सशक्त बनाना है, जिससे वे अपने करियर को बेहतर बना सकें। स्किल यात्रा का लक्ष्य सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में कक्षा 9वीं से लेकर डिग्री स्तर के छात्रों तक है। इसका उद्देश्य छात्रों को कौशल-आधारित शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना और राज्य के भीतर और बाहर उपलब्ध विविध अवसरों की जानकारी देना है। कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता *स्किल यात्रा वैन* है, जिसे कोकराझाड़ की एडीसी कविता डेका और अन्य अतिथियों ने झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन क्षेत्रभर में यात्रा करेगी और छात्रों की विभिन्न कौशलों में रुचि और योग्यता का आकलन करने के लिए साइकोमेट्रिक परीक्षण करेगी। इन ऑनलाइन परीक्षणों के माध्यम से छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार संभावित करियर विकल्प पहचानने में मदद मिलेगी। इसके बाद काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे, जहां छात्रों को आजीविका और करियर के अवसरों के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा।

वाहन चोर गिरफ्तार चोरी की बाइक एवं स्कूटी बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के गोरचुक और वशिष्ठ पुलिस ने वाहन चोरी की गुत्थी को सुलझाते हुए चोरी की एक स्कूटी और एक बाइक समेत बरामद किया है। पुलिस सोमवार को बताया कि गोरचुक पुलिस द्वारा बाइक चोरी मामले को महज 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए यामाहा एमटी बाइक (एएस-01ईपी-1860) को खानापाड़ा इलाके से बरामद किया। बाइक को मणिराम देवान ट्रेड सेंटर से चुराया गया था। बरामद की गई बाइक को बाइक के मालिक को सौंप दिया गया।

डॉ. बीरेंद्र कुमार ने की कार्बी आंग्लांग में बुनियादी ढांचे की समीक्षा

डिफू। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. बीरेंद्र कुमार ने सोमवार को कार्बी आंग्लांग जिले के अपने दौरे के आखिरी दिन डिफू के सर्किट हाउस में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इससे पहले, पूर्वी कार्बी आंग्लांग भाजपा अध्यक्ष रोलांड श्रीकिलिंग ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और एक संक्षिप्त बैठक में क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। डॉ. कुमार के साथ डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर निरोला फांग्सोपी, सांसद अमरसिंह टिसो, विधायक डर्चिंग रांगहांग और जूनियर बेसिक एलपी सहित कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के कार्यकारी सदस्य भी मौजूद थे। उन्होंने स्कूल स्टाफ, लुंबाजोंग के प्रखंड विकास अधिकारी, लाभार्थियों और स्कूली बच्चों से बातचीत की। उन्होंने स्कूल के बुनियादी ढांचे का भी निरीक्षण किया और अधिक अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने के लिए सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

महिला का अर्द्धगलित शव बरामद

धुबड़ी (हि.स.)। बिलासीपारा के टोकराबांधा नटेया में महिला का अर्द्धगलित शव बरामद होने को लेकर सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आज बताया कि एक महीने पहले बेरहमी से मृतक महिला की हत्या कर शव को गड्ढे में दफन कर दिया था। महिला का आधा सड़ा हुआ शव आज बरामद कर लिया गया। टोकराबांधा पहाड़ पर जेसीबी से गुवाहाटी, बिलासीपारा और चापर थाना पुलिस की निगरानी में खुदाई कर मिट्टी के नीचे से शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान रमेना खातून (दक्षिण सालमारा, मानकचर, पाटाकाटा) के रूप में हुई है।

क्राइम ब्रांच ने किया चाइल्ड राइट्स वीक का आयोजन

गुवाहाटी। असम पुलिस के क्राइम ब्रांच की ओर से चाइल्ड राइट्स वीक के तहत बाल अधिकारों को लेकर बच्चों को जागरूक करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में सोमवार को क्राइम ब्रांच की ओर से चाइल्ड राइट्स वीक के तहत 500 से अधिक बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर क्राइम ब्रांच की ओर से डीसीपी डॉ. देबोजित नाथ, एडिशनल डीसीपी बिरिंची बोरा, एसीपी हेमेन दास, वरिष्ठ पत्रकार तथा सामाजिक कार्यकर्ता विवेक सांगानेरिया, स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती रीना भौमिक, उप प्रधानाचार्य सरवरी दास सहित बड़ी संख्या में शिक्षक भी मौजूद थे। इस दौरान क्राइम ब्रांच के डीसीपी डॉ. नाथ ने बच्चों को उनके अधिकारों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को बाल शोषण, शारीरिक दंड, बाल श्रम, बाल विवाह, अच्छे और बुरे स्पर्श, बच्चों के खिलाफ अपमान जनक टिप्पणियों आदि से खुद को बचाने के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी उपलब्ध कराई। डॉ. नाथ ने विद्यार्थियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र कर उनकी जिज्ञासाओ का जवाब भी दिया। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के असंगत व्यवहार से सुरक्षित रहने के लिए आगाह किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को चाइल्ड हेल्पलाइन नं. 1098 और पुलिस कंट्रोल रूम 112 टोल फ्री न. भी उपलब्ध कराया, ताकि किसी तरह की भी अनहोनी अथवा अप्रिय स्थिति में वे लोग मदद ले सके। क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त डीसीपी श्री बोरा द्वारा अज्ञात साइटों, लिंक और अन्य सुरक्षा उपायों के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। साथ ही कई महत्वपूर्ण मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को साइबर अपराध का शिकार होने की स्थिति में साइबर पीएस से संपर्क करने की सलाह दी गई।

No.GDB/RD/BTC/15th FC/174/2020-21/918 *Date 02/11/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of 8.25 (Rupees Eight & paisa twenty five) only with a validity period of 180days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of APWD, F-2 Form from the Govt. registered contractor/Farm of Class-III and above category of Assam PWD Department and BTC. According to their eligibility for submitting tenders for the following works under AWC Scheme & 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25 as stated below. The tender will be received by the undersigned up to 2.00 PM on 26/11/2024 and will be opened on the same date & Place at 2.30 PM. Payment of non refundable, the tender form's cost is Rs. 500.00 (Rupees Five hundred) only and non refundable 0.03% only in cash for each act of tender paper Demand Draft to be drawn in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Period of Collection	To be obtain from the office of the BDO Gobardhana Dev. Block on any working days /hours upto5.00PM from 18/11/2024 to 26/11/2024
Tender date and time of Opening	26/11/2024

Sl. No.	Name of Scheme	A .A. Amount (Rs.)	Tender Value of work (Rs.)	Time of Completion of Work	Earnest Money (1%) for ST/ SC and 2% for Gen/Farm and
1	Const. Of Road with E/F and S/G fro PMGSY Road to Statefeed Road at Uttar Bennibari under 15th FC Untied Grant for the year 2023-24 during 2024-25	Rs. 3,50,000.00	Rs. 3,50,000.00	180 days	(1%) Rs. 3500/- (2%) Rs.7000/-
2	Const. of Chat Puja Ghat at Mairajhar under Mairajhar Pathar VCDC under 15th FC Untied Grant for the year 2023-24	Rs. 2,00,000.00	Rs. 2,00,000.00	180 days	(1%) Rs. 2000/- (2%) Rs.4000/-
3	Const. of Culvert near Bhaben Brahma house at Bajegaon Pathar under Mairajhar Pathar VCDC under 15th FC Untied Grant for the year 2023-24 AWC Scheme F/Y 2024-25	Rs. 3,50,000.00	Rs. 3,50,000.00	180 days	(1%) Rs. 3500/- (2%) Rs.7000/-
1	Repairing of AWC Centre No. 268 at Luwasur for the year 2024-25	Rs. 1,40,000.00	Rs. 1,40,000.00	180 days	(1%) Rs. 1400/- (2%) Rs.2800/-
2	Repairing of AWC Centre No.04 at Luwasur for the year 2024-25	Rs. 1,50,000.00	Rs. 1,50,000.00	180 days	(1%) Rs. 1500/- (2%) Rs.3000/-
3	Repairing of AWC Centre No. 203 at Bongshibari for the year 2024-25	Rs. 1,60,000.00	Rs. 1,60,000.00	180 days	(1%) Rs. 1600/- (2%) Rs.3200/-
4	Repairing of AWC Centre No. 498 at Khagrabari for the year 2024-25	Rs. 1,65,000.00	Rs. 1,65,000.00	180 days	(1%) Rs. 1650/- (2%) Rs.3300/-
5	Repairing of AWC Centre No. 105 at Jengrengpara for the year 2024-25	Rs. 1,50,000.00	Rs. 1,50,000.00	180 days	(1%) Rs. 1500/- (2%) Rs.3000/-
6	Repairing of AWC Centre No.108 at Khagrabari for the year 2024-25	Rs. 1,65,000.00	Rs. 1,65,000.00	180 days	(1%) Rs. 1650/- (2%) Rs.3300/-
7	Repairing of AWC Centre No. 489 at Atagaon for the year 2024-25	Rs. 1,50,000.00	Rs. 1,50,000.00	180 days	(1%) Rs. 1500/- (2%) Rs.3000/-
8	Repairing of AWC Centre No. 233 at Mairajhar for the year 2024-25	Rs. 1,50,000.00	Rs. 1,50,000.00	180 days	(1%) Rs. 1500/- (2%) Rs.3000/-
9	Repairing of AWC Centre No. 186 at Atagaon for the year 2024-25	Rs. 1,50,000.00	Rs. 1,50,000.00	180 days	(1%) Rs. 1500/- (2%) Rs.3000/-
10	Repairing of AWC Centre No.518 at Bangshibari Pathar for the year 2024-25	Rs. 1,00,000.00	Rs. 1,00,000.00	180 days	(1%) Rs. 1000/- (2%) Rs.2000/-
`11	Repairing of AWC Centre No. 121 at Bongshibari for the year 2024-25	Rs. 1,60,000.00	Rs. 1,60,000.00	180 days	(1%) Rs. 1600/- (2%) Rs.3200/-
12	Repairing of AWC Centre No. 133 at Bhatopokhuri for the year 2024-25	Rs. 1,60,000.00	Rs. 1,60,000.00	180 days	(1%) Rs. 1600/- (2%) Rs.3200/-
	Total	Rs. 18,00,000.00			

The tender /tenders must be submitted with the requisite Earnest Money Deposit(EMD) in the form of deposit at Fixed Deposit /Demand Draft to be drawn in favour of the BDO, Gobardhana Dev. Block payable at Barpeta Road. Tender not accompanied by the Earnest Money Deposit (EMD) is liable to be rejected .

Sealed tender in the prescribed tender form shall be addressed to the Block Development Officer Cum Chairman, Tender Committee, Gobardhana Dev. Block, Barpeta Road, Dist.-Baksa, P.S.- Barpeta Road, Pin-781315,Assam. Tenders received after above date & time will not be accepted. The undersigned reserve the right to issue the tender papers to the tenderers and to accept or reject /cancel any or all the tenders if the situation compel to do so without assigning any reason thereof and DOES NOT BIND HIMSELF TO ACCEPT THE LOWEST QUOTED RATE OF TENDER.

UNSEALED TENDER WILL SUMMARILY BE REJECTED

Sd/- Block Dev. Officer cum Chairman,
Tender Committee Gobardhana Dev. Block,
Barpeta Road

IPR(BTC)/C/2024-25/879

संपादकीय

बुलडोजर पर न्याय का हथौड़ा

सही मायनों में यह सुप्रीम कोर्ट का एक सख्त फैसला था, लेकिन यह समय की जरूरत भी थी। कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा। कई राज्यों ने अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने की मंशा जाहिर करते हुए बुलडोजर से दंड देने को कारगर तरीका मान लिया। जिसको लेकर सामाजिक प्रतिक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से भी सख्त विरोध दर्ज किया गया। उन्होंने इसे अतार्किक और प्रचलित कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया। हालांकि, समाज में आम लोगों के एक वर्ग में इसके प्रति समर्थन भी देखा गया। जिसका मानना था कि न्यायिक प्रक्रिया में दंड देने की अवधि खासी लंबी होती है। जिसके चलते धनबल और बाहुबल के आधार पर अपराधी मामले को लंबा खींचने में सफल हो जाते हैं। दरअसल, समाज के एक वर्ग में इस शीघ्र न्याय की आकांक्षा की सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं व सुविधाओं के अनुसार व्याख्या कर दी। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर इस कार्रवाई के बचाव में कई तरीके के तर्क गढ़े जाते रहे। जिसके चलते बुलडोजर न्याय की तार्किकता को लेकर दुविधा पैदा हुई। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने ऐसे तमाम सवालों पर मंथन करते हुए कानूनन और संवैधानिक दृष्टि से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया। जो आम नागरिकों को सत्ता की निरंकुशता से बचाव का कवच उपलब्ध कराता है। साथ ही यह फैसला न्याय व्यवस्था के प्रति जनता के भरोसे को भी बढ़ाता है। इसमें दो राय नहीं कि इस फैसले के जरिये शीर्ष अदालत ने कार्यपालिका को उसकी सीमा का अहसास ही कराया है। दूसरे शब्दों में, खुद ही आरोप तय करके और खुद ही न्याय करने की लोकसेवकों की कोशिश को सिरे से नकार दिया है। कोर्ट ने आईना दिखाया कि शासन-प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अन्याय करने वाले कथित बुलडोजर न्याय को तार्किक बताने का प्रयास किया। जबकि बिना मुकदमा चलाये किसी को सजा देने का अधिकार किसी लोकसेवक को नहीं है। वैसे भी किसी भी अपराधी के कृत्य की सजा उसके पूरे परिवार को नहीं दी जा सकती। किसी एक घर को बनाने में व्यक्ति के जीवन की पूरी पूंजी लग जाती है। जिसे कुछ घंटों में बिना प्रतिवाद का मौका दिए ध्वस्त करना, जंगलराज का ही पर्याय कहा जा सकता है। यही वजह है कि अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यदि किसी व्यक्ति का घर तोड़ने की कार्रवाई कानून की प्रक्रिया के विरुद्ध पायी जाती है तो तोड़े गए घर को बनाने का खर्च संबंधित अधिकारी के वेतन से काटा जाएगा। लेकिन दूसरी ओर अपने फैसले के आलोक में शीर्ष अदालत यह बताने में नहीं चूकी कि यह फैसला सरकारी जमीन, सार्वजनिक स्थलों मसलन रेलवे लाइन, फुटपाथ, सड़क पर किए गए अतिक्रमण या गैरकानूनी निर्माण पर लागू नहीं होगा। वैसे यह भी एक हकीकत है कि सार्वजनिक भूमि पर होने वाले अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण रातोंरात नहीं होते। ये अवैध कार्य राजनीतिक संरक्षण व नौकरशाही की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हैं। कई मामलों में महीनों नहीं, सालों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। जिससे कब्जा करने वालों के हौसले बढ़ते हैं। निश्चित रूप से किसी अवैध संरचना को समयबद्ध और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही ध्वस्त किया जा सकता है। साथ ही प्रतिवादी को अपनी बात रखने का मौका भी मिलना चाहिए। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने सख्त फैसला देने के साथ न्यायिक संतुलन का आदर्श प्रस्तुत किया है। जो कालांतर लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक मूल्यों को समृद्ध करेगा।

कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा।

सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

ललित गर्ग

पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेज़ी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेज़ी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इज़ाफ़ा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरु कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का

पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी। दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा। आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरुआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खर्चीली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पर्धाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं। अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है।

दृष्टि कोण

कई आदिवासी समुदायों के अस्तित्व पर संकट

झारखंड के विधानसभा चुनाव में संथाल क्षेत्र में आदिवासी आबादी कम होना बड़ा मुद्दा है। वास्तव में पूरे देश में ही प्रत्येक आदिवासी समुदाय की संख्या घट रही है। झारखंड की 70 फीसदी आबादी 33 आदिवासी समुदायों की है। यहां पिछले कई वर्षों से 10 ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी बढ़ नहीं रही है। ये आदिवासी आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से कमजोर तो हैं ही, साथ ही इनके विलुप्त होने का खतरा भी है। ऐसा ही संकट बस्तर इलाके में भी है। देश भर की दो-तिहाई आदिवासी जनजाति मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, गुजरात और राजस्थान में रहती है, जिनकी आबादी लगातार कम होने के आंकड़े हैं। याद करना होगा कि अंडमान निकोबार और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में बीते चार दशकों में कई जनजातियां लुप्त हो गईं। एक जनजाति के साथ उसकी भाषा-बोली, मिथक, मान्यताएं, संस्कार, भोजन, आदिम ज्ञान सब कुछ लुप्त हो जाता है। झारखंड में आदिम जनजातियों की संख्या वर्ष 2011 में घटकर दो लाख 92 हजार रह गई। ये जनजातियां हैं— कंवर, बंजारा, बथुडी, बिझिया, कोल, गौरेत, कॉड, किसान, गोंड और कोरा। इसके अलावा माल्तो-पहाड़यि, बिरहोर, असुर, बैगा भी ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी में लगातार गिरावट आ रही है। राज्य सरकार ने इन्हें पीवीजीटी श्रेणी में रखा है। एक बात आश्चर्यजनक है कि मुंडा, उरांव, संताल जैसे आदिवासी समुदाय जो कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर आगे आ गए, जिनका अपना मध्य वर्ग उभर कर आया, उनकी जनगणना में आंकड़े देश के जनगणना विस्तार के अनुरूप ही हैं। बस्तर में गौंड, दोरले, धुरबे आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा पिछड़ रहे हैं। कोरिया, सरगूजा, कांकेर, जगदलपुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सभी जिलों में आदिवासी आबादी तेजी से घटी है। आम आदिवासी की जितनी भी पुरानी कथाएं हैं, उनमें उनके सुदूर क्षेत्रों से पलायन और एकांतवास का मूल कारण है कि वे शांतिप्रिय तथा किसी से युद्ध नहीं चाहते थे। आज भी वे नक्सलवादी हिंसा और प्रतिहिंसा से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में पलायन करते रहे हैं। बस्तर के बासागुड़ को ही लें, एक शानदार बस्ती थी, तीन हजार की आबादी वाला। इधर सलवा जुड़ुम ने जोर मारा और उधर नक्सलियों ने हिंसा की तो आधी से ज्यादा आबादी भागकर तेलंगाना के चेरला के जंगलों में चली गई। अकेले सुकमा जिले से पुराने हिंसा दौर में पलायन किए 15 हजार परिवारों में से आधे भी नहीं लौटे। एक और भयावह बात है कि परिवार कल्याण के आंकड़े पूरे करने के लिए कई बार इन मजबूर लोगों को कुछ पैसे का लालच देकर नसबंदी कर दी जाती है। मध्य प्रदेश में 43 आदिवासी समूह हैं, जिनकी आबादी डेढ़ करोड़ के आसपास है। यहां भी बड़े समूह तो प्रगति कर रहे हैं लेकिन कई आदिवासी समूह विलुप्त होने के कगार पर हैं। इनमें भील-भिलाला आदिवासी समूह की जनसंख्या सबसे ज्यादा (59.939 लाख) है। इसके बाद गोंड समुदाय की जनसंख्या 50.931 लाख, कोल आदिवासियों की जनसंख्या 11.676 लाख, कोरकू आदिवासियों की जनसंख्या 7.308 लाख और सहरिया आदिवासियों की आबादी 6.149 लाख है। इनकी जनसंख्या वृद्धि दर, बाल मृत्यु दर में कमी आदि में खासा सुधार है, लेकिन दूसरी तरफ बिरहुल या बिरहोर आदिवासी समुदाय की जनसंख्या केवल 52 है। कोंध समूह (मुख्यतः ओडिशा में रहने वाले) की जनसंख्या 109, परजा की जनसंख्या 137 और सौंता समूह की जनसंख्या 190 है। असल में इनका समुदाय बहुत छोटा है और इनके विवाह संबंध बहुत छोटे समूह में ही होते रहते हैं। अतः जैनेटिक कारणों से भी वंश-वृद्धि न होने की एक संभावना है। देश की करीब 55 प्रतिशत आदिवासी आबादी अपने पारंपरिक आवास से बाहर निकलकर निवास कर रही है। किसानी या जंगल उत्पादों पर अपना जीवनयापन करने वाली जनजातियों के प्राकृतिक संसाधन कम हो गए, इसके चलते उनका पलायन हुआ।

कुछ अलग

ट्रंप के नगीने विवेक रामास्वामी के मंसूबे

वैसे तो यह 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' जैसी हकीकत है। फिर भी हम खुश हो सकते हैं कि केरल से गए एक भारतवंशी की दूसरी पीढ़ी के एक शख्स को, अमेरिका में बड़े बदलावों की जिम्मेदारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी है। उन्हें दुनिया में क्रांतिकारी औद्योगिक बदलावों के लिये चर्चित स्पेसएक्स,एक्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क के समकक्ष यह जिम्मेदारी दी गई है। वही एलन मस्क जो चुनाव के अंतिम चरण में हर रोज एक लाख डॉलर ट्रंप के पक्ष में हवा बनाने के लिये खर्च कर रहे थे। सरकार गठन से पहले विवेक रामास्वामी को मस्क के साथ डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएन्सी यानी डीओजीई का मुखिया बनाया है। निश्चित रूप से यह महत्वपूर्ण जगह इस भारतवंशी विवेक रामास्वामी ने कड़ी मेहनत और अपनी योग्यता के आधार पर बनायी है। लेकिन इस खुशी के साथ एक विडंबना यह भी है कि वे प्रवासियों के अमेरिका में आने के खिलाफ हैं। विवेक उस एच-1बी वीजा प्रोग्राम को खत्म करना चाहते हैं, जिसके बूते तमाम भारतीय प्रतिभाएं अपनी योग्यता से अमेरिका को सारी दुनिया में महका रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रामास्वामी की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें देशभक्त अमेरिकी की संज्ञा दी। हकीकत में वे कट्टर अमेरिकी राष्ट्रवादी हैं। जिसके लिये उन्हें भारत का नुकसान करने में कोई परहेज नहीं होगा। यही वजह है कि इस बड़ी भूमिका मिलने के बाद उन्होंने तत्काल टिप्पणी भी की, कि हम नरमी से पेश नहीं आने वाले। वे ट्रंप की मंशा को आक्रामकता के साथ लागू करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। दरअसल, डीओजीई की भूमिका उन विभागों को खत्म करने या उनमें आमूल-चूल बदलाव करने की है, जो समय के साथ अप्रासंगिक हो चुके हैं। विडंबना यह है कि इन विभागों में शिक्षा के साथ-साथ एफबीआई भी शामिल है। रिपब्लिकन में यह धारणा बन चुकी है कि विगत पांच सालों में एफबीआई डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ काम करती रही है। रिपब्लिकनों का पांचवां हिस्सा भी ऐसा ही मानता है। ऐसी ही कई सरकारी विभागों तथा एजेंसियों को खत्म करने की दलील रामास्वामी देते रहे हैं। जिसका लक्ष्य है नौकरशाही के अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाकर अर्थव्यवस्था को संबल देना । साथ ही वे कई अन्य संघीय विभागों को भी मौजूदा समय में अनुपयोगी मानते हैं। वे परमाणु नियामक, घरेलू राजस्व सेवा, शिक्षा विभाग व एफबीआई को बंद करने की वकालत करते रहे हैं। निस्संदेह, अरबपति रामास्वामी की उपलब्धियां चौंकाने वाली हैं। सात अरब डॉलर की बायोटेक कंपनी रोयवेंट साइंसेज के संस्थापक रामास्वामी ने बायो टेक्नॉलाजी के जरिये अरबों रुपये कमाये। उनका परिवार कभी केरल से अमेरिका गया था। उनके इंजीनियर पिता वी गणपति रामास्वामी ने नेशनल इंस्टीट्यूट, कालीकट से इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री हासिल की थी। पिता ने अमेरिका में इंजीनियर के तौर पर और मां ने मनोचिकित्सक के तौर पर कार्य किया। विवेक का जन्म केरल मूल के भारतीय माता-पिता के घर ओहायो में हुआ। वे ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी में सर्जन और असिस्टेंट प्रोफेसर पत्नी अपूर्वा व दो बेटों के साथ कोलंबस में रहते हैं। रामास्वामी के व्यक्तित्व के कई आयाम हैं। वे राजनीति में आने से पहले बहुचर्चित पुस्तकों के लेखक भी रहे। वे अपने को प्रबल अमेरिकी राष्ट्रवादी बताते हैं और अपने सपने पूरे करने के लिये एक सांस्कृतिक आंदोलन की जरूरत भी बताते हैं। जिसके लिये वे 'सेव अमेरिका' अभियान की अगुवाई करते हैं जो डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी नारे से मेल भी खाता है।

देश दुनीया से

जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य का वक्त

अज़रबैजान के बाकू में जलवायु वार्ता का वार्षिक दौर खतरे की घंटी के साथ शुरू हुआ है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपने वार्षिक आकलन में बताया है कि 2024 सबसे गर्म साल रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है, जिसमें जनवरी और सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का पारा औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर से लगभग 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक के आसपास मंडराता रहा। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि यह इजाफा उस 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम सीमा से ऊपर है, जिसे वैज्ञानिकों ने तय किया था और विश्व समुदाय ने उत्सर्जन में कमी लाकर इसको इस हद से नीचा रखने के लिए सहमति बनाई थी। पेरिस समझौते का लक्ष्य औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर की तुलना में धरती की सतह के औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को दीर्घकाल में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना था। जबकि इस वर्ष ला नीना प्रभाव के कारण गर्मी में बढ़ोतरी हो सकती है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड घनत्व निरंतर बढ़ रहा है जो तापमान वृद्धि का कारण बनती है। तापमान वृद्धि से अतिवृष्टि और बाढ़, तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जानलेवा गर्मी, सूखा और जंगल की आग जैसे भयावह परिणामों के अलावा अनेक गहरे प्रभाव पड़ रहे हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने व्याख्या की है : 'जलवायु आपदा स्वास्थ्य को नुकसान, असमानता में बढ़ोतरी और सतत विकास को हानि पहुंचा रही है, यह शांति की नींव को भी हिला रही है'। फंड, उपायों पर अमल और जलवायु वार्ताओं के परिणाम चाहे जो भी हों, दुनिया के सामने यह संकट मुंह बाए खड़ा है। जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यापक होता है। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर हालिया रिपोर्ट 'द लैंसेट काउंटडाउन' बताती है :'हर देश में अब लोगों को अपने स्वास्थ्य और अस्तित्व पर बने खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहे हैं'। सेहत पर प्रभाव डालने वाले कारकों में अब बढ़ती गर्मी प्रमुख वजह है, वर्ष 2023 में लोगों को औसतन 50 से अधिक दिनों तक लगातार प्रचंड गर्मी झेलनी पड़ी, जबकि मौसम में आए बदलावों से पहले ऐसा नहीं होता था। इसके परिणामवश 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जितने लोगों की मौतें हुईं, वे 1990 के दशक के औसत से 167 प्रतिशत अधिक हैं। सर्वेक्षण में पाया कि 31 देशों ने कम-से-कम 100 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनी गर्मी भुगती, जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसा होने की उम्मीद न होती। गर्मी के असर से शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे शारीरिक-मानसिक सेहत प्रभावित हो रही है। जो कर्मचारी खुले में या गैर-ठंडे बाहरी वातावरण में काम करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है और उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। यह बहुत बड़ा नुकसान है क्योंकि विश्व स्तर पर लगभग 1.6 बिलियन लोग यानि कामकाजी आयु वर्ग की 25.9 प्रतिशत हिस्सा खुले में काम करता है। इसमें कृषि मज़दूर, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्यरत और अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोग शामिल हैं। स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का अन्य बड़ा असर यह होगा कि इससे जल-जनित, मच्छर-जनित, खानपान-जनित और वायु-जनित रोगों का प्रसार बढ़ने का खतरा है। बढ़ता तापमान, अतिशयी बारिश एवं सूखा, भूमि उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियां इस जोखिम में इजाफा करते हैं। उदाहरणार्थ पिछले 20 सालों में विश्व में डेंगू का प्रकोप बढ़ा है। 2023 में, एडीज एजिप्टी जैसे मच्छर का और अधिक इलाकों में फैलाव होने के कारण दुनियाभर में डेंगू के लगभग पचास लाख मामले सामने आए। तापमान वृद्धि के साथ हाल के दशकों में मलेरिया फैलने वाली अवधि भी बढ़ी है। दुनिया का 17 प्रतिशत अतिरिक्त भूभाग पी-फाल्सीपेरम जैसे मलेरिया परजीवियों के फलने-फूलने के अनुकूल हो गया है। जलाशयों के तापमान और लवणता में परिवर्तन के चलते जल जनित रोगों का संक्रमण अधिक फैल रहा है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और जलवायु परिवर्तन धीमा करने को निर्णायक कदम उठाने पर राजनेताओं और नीति निर्माताओं में आम सहमति बनने का दुनिया अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कर सकती। वार्षिक जलवायु परिवर्तन वार्ताएं अपने-अपने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक हितों की रक्षा सुनिश्चित रखने के प्रयास बनकर रह गई हैं, और ऐसे पैंतरे अपनाए जाते हैं जिससे काम जल्दी होने की बजाय लटका रहे। इसलिए रास्ता यही कि लचीला जलवायु संबंधी तंत्र बने और उस पर अमल हो। हालांकि यह करना भी एक चुनौती है, उदाहरणार्थ, एयर-कंडीशनिंग जैसा उपाय अपनाना गर्मी के बढ़ते प्रकोप का स्थायी हल नहीं। यह महंगा व ऊर्जा की भारी खपत करने वाला है ,गर्मी के उत्सर्जन में योगदान करता है। इससे शहरी क्षेत्रों में, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों में एयर-कंडीशनर के अत्यधिक उपयोग से बना 'हीट आइलैंड' बढ़ता है। इसलिए, हमें अक्षय ऊर्जा के साथ-साथ नवीकरणीय कम ऊर्जा खपत वाली शीतलन तकनीकों द्वारा संचालित एयर-कंडीशनिंग चाहिये। डेंगू जैसी चुनौतियों के लिए, हमें जोखिम कम करने, एकीकृत मच्छर नियंत्रण उपायों और स्वास्थ्य प्रणालियों को अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने पर जोर देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र को भी अपने उत्सर्जन में कटौती करनी होगी – वर्तमान में, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा 5 प्रतिशत है। डब्ल्यूएचओ ने कॉप-29 सम्मेलन से पहले जारी की रिपोर्ट में बताया है कि स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए शहरों पर ध्यान देना आवश्यक है। शहरी नीतियां कुछ ऐसी बनाई जाती हैं जिनका असर वायु गुणवत्ता, परिवहन, ऊर्जा उपयोग, शहरी डिज़ाइन, हरित क्षेत्र, आवास और भोजन की पहुंच पर होता है और यह आगे सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसलिए, कम कार्बन और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों वाले बदलाव लाने में देरी मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ी हानि है। स्वास्थ्य पर जलवायु बदलावों का असर कम करने वाले तमाम उपायों पर काम करने की गाड़ी आखिर में आकर नई व्यवस्था और बेहतर विकल्प अपनाने पर होने वाले खर्च पर आकर अटक जाती है।

आप का नजरीया

चंडीगढ़ की कसक

अभी भी चंडीगढ़ के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि शहर की फिजा में इतना ज़हर घुल चुका है कि एक्यूआई चार सौ का आंकड़ा पार कर गया। सिटी ब्यूटीफुल के उपनाम से विख्यात इस शहर को किसकी नज़र लगी, शहर के बाशिंदे अब तक समझ नहीं पा रहे हैं। लोग बताते नहीं थकते कि ऐसा मंजर उन्होंने जिंदगी में पहली बार देखा है। कभी लोग इस शहर की खूबसूरती और स्वास्थ्यवर्धक आबोहवा की कसमें खाया करते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू के सपनों का शहर, जिसे तत्कालीन पंजाब के मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो ने रात-दिन एक करके हकीकत बनाया। फिर फ्रांस के नामचीन वास्तुकार ली कार्बूजिए ने अपनी भारतीय टीम के साथ मिलकर उस सपने को साकार किया। भरपूर हरियाली और योजनाबद्ध तरीके से बने शहर में ऐसा कुछ नहीं दिखता जो भयावह प्रदूषण का सबब बने। विस्तृत सुखना झील, इसके पर्यावरण व सौंदर्य को निखारती है और आबोहवा को शुद्ध करती है। इस शहर को तीन प्रदेशों की राजधानी होने का दर्जा हासिल है। पंजाब व हरियाणा के साथ खुद केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की भी राजधानी है। ऐसे में जब सिटी ब्यूटीफुल के लोगों ने अखबारों में चंडीगढ़ के एक्यूआई लेवल के चार सौ पार करने का समाचार पढ़ा तो उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। एक शहर जिसके सौंदर्य व आबोहवा की शान में पंजाबी गीतों में तमाम कसीदे पढ़े जाते थे, उसे यकायक ये क्या हो गया। शासन प्रशासन के लिये भी यह एक नई चुनौती थी। ऐसी स्थिति पहले कभी उसके सामने आई भी नहीं थी। नौकरशाह भी हतप्रभ थे कि किया क्या जाए। इस ज़हरीली फिजा में प्रत्यक्ष तौर पर शहर की भूमिका भी तो नहीं थी। यहां न तो ऐसी कोई इंडस्ट्री थी और न ही थर्मल प्लांट आदि, जिन पर तत्काल कार्रवाई होती। एक सुनियोजित-व्यवस्थित शहर व जागरूक नागरिक और साथ में सचेत तंत्र। वैसे आधुनिक सभ्यता की विसंगतियां तो जरूर थीं जो तापमान बढ़ाने में किसी हद तक भूमिका निभाती हैं। बहरहाल, समय के साथ-साथ बहुत कुछ ऐसा बदला जरूर है जो इस शहर की आबोहवा में दखल देता है। कभी चंडीगढ़ को बाबुओं का शहर कहा जाता था। बदलते वक्त के साथ कारों का हुजूम जरूर यातायात और पार्किंग की समस्या खड़ी करता है। लेकिन उसकी एक्यूआई लेवल को चार सौ पार पहुंचाने में इतनी बड़ी भूमिका भी नहीं रही। वैसे तो आधुनिक जीवनशैली के चलते एसी, फ्रिज, कार और निकटवर्ती इलाकों में अंधाधुंध निर्माण कार्यों में तेजी ने हमारे पर्यावरण पर हर शहर की तरह असर तो डाला है। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमें जो भूमिका पर्यावरण संरक्षण हेतु निभानी चाहिए, वो हम नहीं निभाते हैं। यूं तो चंडीगढ़ का मूल स्वरूप बरकरार है। कुछ सेक्टर नये जुड़े हैं, लेकिन सुनियोजित तरीके से ही उनका विस्तार हुआ। चंडीगढ़ के निर्धारित स्वरूप के चलते इसके अधिक विस्तार की गुंजाइश भी नहीं है, लेकिन इसके चारों ओर तमाम छोटे-बड़े शहरों का विस्तार हुआ है। घनी आबादी कहीं न कहीं चंडीगढ़ पर दबाव जरूर बनाती है। लेकिन यह स्थिति उतनी विकट नहीं है कि शहर का एक्यूआई लेवल चार सौ पार करे।

प्रयागराज महाकुंभ में प्रत्येक 10 शौचालयों पर नियुक्त होगा एक सफाईकर्मी

प्रयागराज, (हि.स.)। महाकुंभ 2025 को स्वच्छ महाकुंभ के रूप में स्थापित करने के लिए योगी सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य यही है कि महाकुंभ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को साफ सुथरे टॉयलेट्स, यूरिनल पॉट्स की सुविधा प्रदान की जा सके, ताकि वो यहां से एक यादगार अनुभव लेकर वापस लौटें। इसके लिए मेला प्रशासन की ओर से गाइडलाइंस जारी की गई हैं। इसके अनुसार, शौचालयों की साफ सफाई पर फोकस रहेगा। साथ ही, मैनपावर की कमी न हो इसका भी ध्यान रखा जाएगा। सभी वेंडर्स को सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित मानकों के अनुरूप 10 शौचालयों पर एक सफाई कर्मी तैनात किया जाएगा, जबकि 10 सफाई कर्मियों पर एक सुपरवाइजर नियुक्त किया जाएगा। इसी तरह, 20 यूरिनल्स पर एक सफाईकर्मी और 20 सफाईकर्मियों पर एक सुपरवाइजर तैनात रहेगा। विशेष कार्याधिकारी महाकुंभ मेला आकांक्षा राना के अनुसार, मेला क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालयों और स्वच्छता सुविधाओं की बेहतर देखरेख के लिए जनशक्ति तैनाती पर मेला प्रशासन की ओर से कुछ मानक निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें हर हाल में वेंडर्स को सुनिश्चित करना होगा। इन नए मानकों का उद्देश्य सार्वजनिक स्वच्छता को उन्नत करना और श्रद्धालुओं व पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। इसके तहत, 10 शौचालयों पर 1 सफाईकर्मी, 10 सफाईकर्मियों पर 1 सुपरवाइजर, 20 यूरिनल्स पर 1 सफाईकर्मी और 20 सफाईकर्मियों पर एक सुपरवाइजर की नियुक्ति अनिवार्य होगी। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सफाईकर्मी सफाई करते समय दस्ताने और जूते जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) अवश्य पहने हों। इसके माध्यम से सफाई के साथ-साथ सफाईकर्मियों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जाएगा।

निर्धारित मानकों के अनुसार, शौचालय, वॉशबेसिन, फर्श, और टाइलों को दाग और गंदगी मुक्त रखा जाएगा। टॉयलेट पेपर, साबुन डिस्पेंसर, हैंड सैनिटाइजर और महिला स्वच्छता उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही, फ्लश सिस्टम, नल और शॉवर बिना किसी रिसाव के सही तरीके से क्रियाशील होने चाहिए। साथ ही, गंध नियंत्रण तकनीक का उपयोग करते हुए शौचालय की दुर्गंध को 10-15 मिनट में हटाने और कचरे को 24 घंटे में विघटित करने की व्यवस्था लागू होगी। इससे बार-बार उपयोग होने के बावजूद गंध या गंदगी से निजात मिल सकेगी और बिना किसी हिचकिचाहट के लोग इसका उपयोग कर सकेंगे। प्रमुख स्नान पर्व पर भी यह व्यवस्था पूरी तत्परता से लागू रहेगी, जिससे अत्यधिक भीड़ के बावजूद किसी तरह की कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

शौचालय इकाइयों में उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था अनिवार्यता के साथ लागू की जाएगी। साथ ही, गड्ढे, दरारें या कंक्रीट जोड़ों, विद्युत फिटिंग्स, और साइनेज में किसी भी प्रकार की क्षति का समय पर समाधान किया जाएगा। शौचालयों में मग और बाल्टी की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शौचालय सुविधाएं आसानी से सुलभ स्थानों पर उपलब्ध हों। हर 10 शौचालयों में से कम से कम 1 शौचालय को दिव्यांगों के लिए सुलभ बनाया जाएगा। सक्शन मशीनों की पर्याप्त संख्या में तैनाती और अपशिष्ट का उचित निपटान किए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी। शौचालयों में सभी जेट स्प्रे मशीनों को सही तरीके से स्थापित और क्रियाशील रखने की व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

महाकुम्भ में मन मोह लेगी 90 से ज्यादा प्रजातियों के पक्षियों का कलरव

-साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से संगम तट पर पहुंच चुके साइबेरियन पक्षी

प्रयागराज, (हि.स.)। महाकुम्भ का साक्षी बनने लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर का 150 जोड़ा यहां आ चुका है। संगम की रेत पर रंग बिरंगे इन मेहमानों की कलरव गंगा मइया की कल-कल से मिलकर अलौकिक राग छेड़ रही है। इसी बर्ड साउंड थेरेपी के लिए देश विदेश से लोग आने लगे हैं। अभी दुनिया में सबसे तेज उड़ान वाले पेरेग्रीन फाल्कन का भी इंतजार किया जा रहा है। जापान और चीन की बुलेट ट्रेन से तेज रफ्तार वाला यह पक्षी 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार में हवा से बातें करता है। संगम क्षेत्र में यह अलौकिक दृश्य योगी सरकार के द्वारा प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों को बढ़ावा दे रहा है। वन विभाग भी इस अवसर को महाकुम्भ से पूर्व बर्ड फेस्टिवल आयोजित कर सेलिब्रेट करने जा रहा है। वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि महाकुम्भ से पहले ही बड़ी संख्या में अप्रवासी पक्षी प्रयागराज आ रहे हैं। इनके साथ लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर और साइबेरियन सारस भी बड़ी संख्या में हैं। इतनी बड़ी तादात में आने वाले देशी और विदेशी पक्षियों की गणना के लिए वाइल्डलाइफ की टीम लगाई गई है जो दिन रात इन पक्षियों की विशेष निगरानी कर रही है। वाइल्डलाइफ के सामुदायिक अधिकारी केपी उपाध्याय ने बताया कि दुनिया भर में लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर करीब 150 से अधिक के जोड़ों में संगम किनारे आ चुकी हैं। यह प्रदूषण को रोकने में काफी हद तक मददगार होती है। यही नहीं ये पानी की शुद्धता को बढ़ाने का भी काम करती हैं। महाकुम्भ की शुरूआत से पहले ही इतनी बड़ी संख्या में संगम किनारे पहुंचे ये पक्षी देश-विदेश से आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। इंडियन स्कीमर फिलहाल रेत के टीले पर सुबह शाम आपको टहलते हुए आसानी से दिख जाते हैं। यहां मां गंगा के किनारे शेड्यूल वन की इंडियन स्कीमर, साइबेरियन, ब्लैक क्रेन, सारस जैसी 90 से अधिक प्रजातियों के पक्षी फिलहाल महाकुम्भ के स्वागत के लिए आ गए हैं। अभी दो साल पहले प्रयागराज में पेरेग्रीन फाल्कन को भी देखा जा चुका है जिसके महाकुम्भ के दौरान पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। यह दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी है, जिसकी रफ्तार जापान और चीन की बुलेट ट्रेन से भी अधिक मानी जाती है। यह 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी अधिक तीव्र गति से उड़ने में सक्षम है। इनके अलावा विभिन्न प्रकार के देशी और विदेशी पक्षी संगम को मुफीद मानते हुए महाकुम्भ की शोभा बढ़ाने आ चुके हैं। इनमें साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से ये विदेशी मेहमान महाकुम्भ का आनंद बढ़ाने आए हैं। पक्षी वैज्ञानिकों ने बताया कि यहां बड़ी संख्या में पहुंच चुके इंडियन स्कीमर बहुत ही ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। यह अपने अंडों को बचाने के लिए तरह-तरह के इंतजाम करते हैं। सबसे खास बात यह है कि ये अधिकतर तीन ही अंडे देते हैं। मादा जब अपने पंखों से अंडों को ढक कर उनकी रखवाली करती है तो नर अपने पंखों में पानी भरने जाता है। नर जब वापस लौटता है तो अपने भीगे पंखों से अंडों को नमी देता है। फिर मादा को भेजता है अपने पंखों को नम करने के लिए। भारत में इन्हें पनचीरा भी कहा जाता है, क्योंकि यह पानी को चीरते हुए आगे बढ़ते हैं। इनकी एक चोंच छोटी तो दूसरी बड़ी होती है। साइबेरियन पक्षी गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर टापू को अपना निवास बनाते हैं। इन पक्षियों का आना सर्दियों की शुरूआत का संकेत है। साइबेरिया, मंगोलिया और अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से पहुंचे ये साइबेरियन पक्षी महाकुम्भ तक यहां वक्त बिताएंगे। दुनिया में सबसे तेज गति से उड़ने वाला पक्षी पेरेग्रीन फाल्कन भी महाकुम्भ के दौरान संगम तट पर देखा जा सकता है। ये बाज की ही एक प्रजाति है। इसकी उड़ान की रफ्तार 300 किलोमीटर प्रति घंटे से भी अधिक होती है। इसे रॉकेट बर्ड भी कहते हैं। यह आम तौर पर उत्तरी अमेरिका में मिलता है। इसीलिए इसको जापान और अमेरिका की बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा तेज उड़ने वाला पक्षी माना जाता है। पक्षी वैज्ञानिकों के अनुसार वर्ष 2022 में इसे संगम के किनारे देखा गया था। माना जा रहा है कि महाकुम्भ तक यह संगम की शोभा बढ़ाएगा।

ब्रांड एंबेसडर बनाए जाएंगे यूपी के स्ट्रीट वेंडर्स, करेंगे दूसरों को जागरूक

लखनऊ, (हि. स.)। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स के लिए एक नई पहल की जा रही है, जिसमें उन्हें जनपद और शहर स्तर पर चिह्नित कर ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। योगी सरकार के इस प्रयास का उद्देश्य न केवल पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि समाज में उनके योगदान को भी मान्यता देना है। इस पहल के तहत 18 नवंबर से 2 दिसंबर 2024 के बीच 'स्वनिधि भी, स्वाभिमान भी' पखवाड़ा का शुभारंभ सोमवार से हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर विकास विभाग को निर्देशित किया है कि इस आयोजन में स्ट्रीट वेंडर्स और उनके परिवारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप योगी सरकार द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत, टीवीसी (टाउन वेंडिंग कमेटी) के सदस्य एवं एक्टिव पथ विक्रेताओं को स्वनिधि मित्रों के रूप में चिह्नांकित किया गया है, जो अन्य स्ट्रीट वेंडर्स को योजना का लाभ दिलवाने में मदद करेंगे।

साथ ही उन्हें योजना के विभिन्न प्रावधानों के बारे में जागरूक करेंगे। योगी सरकार स्ट्रीट वेंडर्स को अधिकतम डिजिटल लेनदेन के लिए प्रेरित कर रही है। इससे पहले भी विभिन्न आयोजनों जैसे स्वनिधि दीपावली, मकर संक्रांति महोत्सव आदि में स्ट्रीट वेंडर्स को सम्मानित किया जा चुका है, जिन्होंने डिजिटल माध्यम से अधिकतम कैशबैक प्राप्त किया। यह कदम प्रदेशभर में डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने और स्ट्रीट वेंडर्स की आमदनी को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। आयोजन के दौरान स्ट्रीट वेंडर्स के लिए मुफ्त चिकित्सा शिविरों और स्वास्थ्य जांच कैंपों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें उनके और उनके परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाएगा। यह पहल समाज के उस वर्ग को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचाने के प्रयास का हिस्सा है, जो आमतौर पर इन सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। उल्लेखनीय है बीते वर्ष 1 जून और 7 जुलाई को सभी जनपदों में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन बड़े पैमाने पर किया गया था। आयोजन में स्ट्रीट वेंडर्स और उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए थे। इसके अलावा, दीपावली मेले और मकर संक्रांति मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था, जिसमें चित्रकला, स्लोगन लेखन, मेहंदी, रंगोली, नृत्य-गायन और व्यंजन बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन आयोजनों का उद्देश्य पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को एक सकारात्मक और सशक्त मंच प्रदान करना था। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत उठाए गए योगी सरकार के कदम पथ विक्रेताओं के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। उन्हें न केवल आर्थिक सहायता मिल रही है, बल्कि समाज में उनके योगदान को भी सम्मानित किया जा रहा है। 'स्वनिधि भी, स्वाभिमान भी' पखवाड़ा और आगामी आयोजनों के माध्यम से योगी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि पथ विक्रेता आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक सशक्त बनें।

वि.स. उपचुनाव : कांग्रेस नेताओं ने नहीं किया सपा का प्रचार

लखनऊ, (हि.स.)। विधानसभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन का सिर्फ नाम भर है। चुनाव प्रचार सोमवार शाम खत्म हो जाएगा, लेकिन कांग्रेस के किसी बड़े स्तर के नेता ने प्रचार नहीं किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। वहीं अविनाश पांडेय भी एक दिन भी कहीं प्रचार के लिए नहीं गये। सिर्फ नाम के लिए एक-दो जगहों पर प्रभारियों ने अपना चेहरा दिखा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस समाजवादी पार्टी के कम सीटें आने का इंतजार कर रही है, जिससे आने वाले चुनाव में अपनी अच्छी सीटों के लिए दावा किया जा सके। ऐसे में उसके नेता चुनाव प्रचार कैसे कर सकते हैं। वे सिर्फ दिखावे के लिए मीडिया में अपना समर्थन दिखा रहे हैं। उनको समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के जीतने-हारने से कुछ भी मतलब नहीं है। वहीं सपा भी कांग्रेस के दिग्गजों से चुनाव प्रचार के लिए पूरे प्रचार के दौरान इच्छुक नहीं दिखी। इसका कारण है कि वह जानती है कि कांग्रेस के प्रचार का बहुत असर दिखने वाला नहीं है। इस संबंध में राजनीतिक विश्लेषक राजीव रंजन सिंह का कहना है कि यह दिखावे का गठबंधन है। यहां सभी लोग अपनी-अपनी गोटी सेट कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के यहां कोई उम्मीदवार नहीं हो तो वह किस आधार पर चुनाव

प्रचार करेगी। उसके नेता भी मायूस हैं। इस कारण वे सिर्फ चुनाव परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहा कि वायनाड से लौटने के बाद उन्हें महाराष्ट्र बुला लिया गया। महाराष्ट्र की कई सीटों पर पूर्वांचल के लोग हैं। ऐसे में वे महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार में लगे हैं। उपचुनाव में पार्टी के स्थानीय नेता लगाये गये हैं।

युवक की हत्या कर शव को रेलवे लाइन पर रखने वाले दो तस्कर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

गाजियाबाद, (हि.स.)। कोतवाली पुलिस ने रविवार की रात में हिंद नगर से चिपियाना जाने वाले मार्ग पर मुठभेड़ के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा मुठभेड़ के दौरान चलाई गई गोली से एक तस्कर घायल हो गया जबकि दूसरे को पुलिस ने दौड़कर पकड़ लिया। इन बदमाशों ने 15 अक्टूबर को लाल सिंह नामक युवक की हत्या कर शव को रेलवे लाइन पर रखने के जुर्म का इकबाल किया है। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है कराया है। पुलिस का कहना है कि यह दोनों बदमाश मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं दोनों से गहराई से जांच पड़ताल की जा रही है। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि 15 अक्टूबर को कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन चौकी क्षेत्र में रेलवे लाइन पर एक युवक का शव बरामद हुआ था। लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। इसके बाद पुलिस ने शव को लावारिस मानते हुए अंतिम संस्कार कर दिया था। उन्होंने बताया कि शनिवार को परमात्मा नामक एक व्यक्ति ने फोटो के आधार पर शव की पहचान अपने पुत्र लाल सिंह के रूप में की और उसने कोतवाली में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई। तभी से पुलिस सक्रिय हो गई पुलिस को पता चला कि लाल सिंह की हत्या करने वाले दो बदमाश हिंद नगर से चिपियाना की ओर जाने वाले हैं। बदमाशों को पकड़ने की गरज से दोनों

तरफ से पुलिस फोर्स लगा दी गई इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध अवस्था मे दो युवक आते हुए दिखाई दिए । जिन्हें पुलिस ने रुकने का इशारा किया लेकिन यह लोग पुलिस को देखते ही वापस भागने लगे। तो सामने तैनात पुलिस ने उन्हें घेर लिया। पुलिस को देखकर इनमें से एक ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। जिसमें एक युवक घायल हो गया और गिर गया जिसे पुलिस ने दबोच लिया वही थोड़े से प्रयास के बाद पुलिस ने दूसरे बदमाश को भी पकड़ लिया। घायल बदमाश का नाम अनिल उर्फ लंबू है जबकि दूसरा बदमाश नईम है। इनके कब्जे से एक तमंचा कारतूस तथा एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है ।जो इंदिरापुरम से चोरी की गई थी। इस उन्होंने बताया कि इस मोटर का साइकिल से यह लोग मादक पदार्थों की तस्करी करते थे।

झारखंड में सवाल पूछने पर हेमंत सरकार मारती है छह लाठी : बाबूलाल मरांडी

हिंदू अस्मिता के साथ अब और खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि झारखंड में सवाल पूछना मना है। अगर झारखंड सरकार से सवाल पूछते हैं तो अपनी हड्डी तोड़वाने के लिए तैयार रहे। यहां सवाल पूछने पर पुलिस छह लाठी मारती है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार की शह पर हो रही गौ हत्या और हमारे पारंपरिक मूल्यों को नष्ट करने की साजिशें अब और नहीं सहन की जा सकती। ऐसे कृत्य सिर्फ समाज में अशांति फैलाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। सभ्य समाज में इस तरह के घृणित कृत्यों की कोई जगह नहीं हो सकती। हिंदू अस्मिता के साथ अब और खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने गिरिडीह के बेंगाबाद थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा फेंके जाने की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि

सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने और हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का कृत्य न केवल निंदनीय है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और आस्थाओं पर सीधा हमला है। झामुमो कांग्रेस सरकार में ऐसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। अपराधियों को पता है कि वोट बैंक के कारण झामुमो कांग्रेस की सरकार उन्हें संरक्षण देगी। बाबूलाल ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर सोमवार को पोस्ट में कहा है कि सवाल कैसा भी हो, सवाल का उद्देश्य कैसा भी हो, हेमंत सोरेन के निदेर्शानुसार झारखंड में शासन और प्रशासन से सवाल पूछने की सख्त पाबंदी है। इसके बाद भी अगर आपने हिम्मत करके हिम्मतवाली सरकार से सवाल पूछने की जुर्रत की, तो पुलिस की लाठी से हड्डी तोड़वाने के लिए तैयार रहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड में जो कोई सवाल पूछता है उसे हिम्मतवाली सरकार में छह लाठी मारी जाती है। पहली लाठी उसके दुस्साहस के लिए, दूसरी अधिकार मांगने के लिए, तीसरी, सवाल पूछने के लिए, चौथी सड़क पर उतरने के लिए, पांचवीं झूठ का हिसाब मांगने के लिए और छठवीं लाठी राजा के जरिये बोले गए झूठ को, सच न मानने के लिए मारी जाती है। बाबूलाल ने आगे लिखा है कि अब और नहीं हेमंत जी, जनता 20 तारीख को, 13 तारीख की तरह ही वोट रूपी लाठी से आपको चित्त करेगी।

अन्नपूर्णा देवी ने गिरिडीह में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में किया रोड शो

गिरिडीह, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने झारखंड में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को गिरिडीह के भाजपा प्रत्याशी निर्भय शाहाबादी के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह चुनाव राज्य के लोगों को सुरक्षित करने वाला है। राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठिए पांव पसार चुके हैं। ऐसे में इन्हें बाहर करने के लिए भाजपा का सता में लाने की जरूरत है। प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस अब राज्य में कही दिख नहीं रही। जो कुछ थोड़ा दिखाई पड़ रहा है वो भी इस चुनाव के दिखना बंद हो जाएगा। राय ने कहा कि हेमंत और कल्पना सोरेन एंड पार्टी जेएमएम ने शिबू सोरेन के सिद्धांतों को ताक पर रख दिया है। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी शाहाबादी के समर्थन में मतदान की अपील की गई। रोड शो में महिला मोर्चा की शालिनी वैशखियार, विनीता कुमारी, तनुजा सहाय, कुसुम सिन्हा, संगीता सिन्हा, पूनम प्रकाश, संगीता सेठ, संजू देवी के साथ भाजपा नेता दिनेश यादव, मुकेश जालान, सुबोध प्रकाश, दीपक यादव, संदीप डंगाईच, मिथुन चंद्रवंशी, विवेक गुप्ता विशाल गुप्ता आदि पार्टी के नेता मौजूद रहे।

'व्हिस्पर' नहीं, बल्कि 'बोल्ड' होकर बोलें कार्यकर्ता : हेमंत सोरेन

रांची, (हि. स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर 'व्हिस्पर कैंपेन' चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिसा और बंगाल से आए लोगों ने एक नया षड्यंत्र शुरू किया है। हेमंत सोरेन ने झारखंड के निवासियों से अपील किया है कि आज और कल मेरे लिए 'व्हिस्पर' नहीं, बल्कि खुलकर अभियान चलाएं। क्योंकि झारखंडियों की प्रकृति में डरना और धीरे-धीरे बोलना नहीं है। खुलकर बोलें, 'व्हिस्पर' नहीं, बल्कि 'बोल्ड' होकर बोलें। सोरेन ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने उल्लेख किया कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हो रहे हैं, वहां ये लोग चौक-चौराहों पर चुनाव पर चर्चा करते हुए मिलेंगे। इसे भाजपा का नया षड्यंत्र माना जा रहा है, जिसे 'व्हिस्पर कैंपेन' कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा है कि इस अभियान के लिए हर विधानसभा में एक करोड़ से

अधिक खर्च किए गए हैं। वीडियो में जो दिखाया गया है,वह इसी तरह का है। इस सबके केंद्र में डर होता है। वे अपने कार्यों के बारे में बात करने नहीं आएंगे, बल्कि आपको झूठी बातों के जरिए डराएंगे और नकली चिंताओं का प्रदर्शन करेंगे। कोई मुद्दे नहीं हैं, और वे आपको उन मुद्दों से भटकाने का प्रयास करेंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारे पास चुनावी बांड, नकली दवाइयां और नकली वैक्सीन नहीं हैं, जो देशवासियों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर धन जुटाने का काम करें।

बिहार स्टेट हेल्थ सर्विसेज के खिलाफ एक और याचिका हाई कोर्ट में

पटना, (हि.स.)। बिहार की पैथोलॉजी सेवाओं पर विवादों का बड़ा असर सामने आने लगा है। बिहार स्टेट हेल्थ सर्विसेज (बीएसएचएस) द्वारा खोले गए टेंडर को लेकर इतने विवाद पैदा हो गए हैं कि यह कहना मुश्किल है कि बिहार की जनता को आगे पैथोलॉजी जांच की स्तरीय सुविधा मिलेगी कि नहीं। एक तरफ तो बीएसएचएस ने हिंदुस्तान वेलनेस नाम की कंपनी को टेंडर में विजेता घोषित कर दिया है और दूसरी तरफ बिड में पहले नंबर पर आई कंपनी साइंस हाउस ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मामले को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उल्लेखनीय है कि इसी मामले में एक और याचिका हाई कोर्ट में लगाई गई है, जिसमें टेंडर प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाकर इस टेंडर को रद्द करने की मांग की गई है। हास्यादबाद बात यह है कि अभी तक विभाग यह तय नहीं कर पाया है कि आखिर कौन सी कंपनी बिहार के मरीजों को पैथोलॉजी जांच की सुविधा देगी। एक तरफ बिहार की 13 करोड़ जनता के स्वास्थ्य का मामला है और दूसरी तरफ बीएसएचएस के विवाद। हालांकि पब्लिक प्राइवेट जॉइन्ट वेंचर के जरिए पिछले पांच साल से लोगों को अस्पताल में ही पैथोलॉजी जांच की सुविधा मिल रही थी, लेकिन बिहार स्वास्थ्य विभाग ने इसे निजी लैब के हवाले करने का फैसला किया और उसी के आधार पर टेंडर निकाला गया। इस समय भी पब्लिक प्राइवेट जॉइन्ट वेंचर में शामिल कंपनी ही पैथोलॉजी जांच का जिम्मा उठा रही है, लेकिन इस वेंचर में शामिल कंपनी भी दुविधा में है कि उससे सरकार आगे काम लेगी या नहीं। अभी तक बीएसएचएस ने हिंदुस्तान वेलनेस के साथ कोई एग्रीमेंट किया है कि नहीं, यह सार्वजनिक नहीं हो पाया है। उल्लेखनीय है कि 23 अक्टूबर 2024 जब वित्तीय बिड खोली जा रही थीं, तो भाग लेने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न स्थानों पर साइंस हाउस द्वारा उद्धृत अलग-अलग दरों को देखा और उस पर आपत्ति दर्ज कराई। अब साइंस हाउस का कहना है कि बीएसएचएस ने इसे गलत ढंग से पढ़ा और उन्हें स्पष्टीकरण का अवसर दिए बिना ही बाहर कर दिया गया, जबकि उसने सरकार को पैथोलॉजी जांच के इस टेंडर में 77 प्रतिशत से अधिक का डिस्काउंट देने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन बीएसएचएस ने दूसरे स्थान पर रही हिंदुस्तान वेलनेस को विजेता घोषित कर दिया। साइंस हाउस ने इस पूरे मामले से मुख्यमंत्री को अवगत कराने के लिए उन्हें पत्र लिखा है और अपने दावे को लेकर पटना हाई कोर्ट पहुंच गई है। साइंस हाउस ने पटना हाई कोर्ट से इस पर तत्काल सुनवाई की मांग की है। याचिकाकर्ता ने पूरी टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाया है और कहा है कि एक विशिष्ट कंपनी के पक्ष में इस टेंडर को करने के लिए अधिकारियों ने नियमों को पूरी तरह नजरअंदाज किया है। कंपनी का कहना है कि बीएसएचएस ने टेंडर में उद्धृत दरों में विसंगति का गलत उदाहरण दिया है। बिना उनसे कोई जवाब लिए एल1 कंपनी को अयोग्य ठहराने का यह फैसला एकदम गलत है। एल2 कंपनी हिंदुस्तान वेलनेस उसकी शर्तों और रेट पर टेंडर जारी करना नियमों का उल्लंघन है। बिहार के वित्तीय नियमों में उल्लिखित पात्रता मानदंडों के यह खिलाफ है। यह सीधे तौर पर बिहार भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए प्रदान की जाने वाली पैथोलॉजी सेवाओं की गुणवत्ता से समझौता करता है।

फारबिसगंज में मादक पदार्थ व अवैध हथियार के साथ तस्कर गिरोह का सरगना गिरफ्तार

फारबिसगंज/अररिया ,(हि.स.)। फारबिसगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शहर के स्टेशन चौक के समीप स्थित एक गेस्ट हाउस में छापामारी कर स्मैक व अवैध हथियार की तस्करी करने वाले अंतर प्रांतीय सरगना को रिवाल्वर के साथ गिरफ्तार किया है. वही, गिरफ्तार तस्कर से फारबिसगंज थाना में एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने गहन पूछताछ की। पूछताछ के बाद एसडीपीओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्रकारों को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ स्मैक व अवैध हथियार तस्करी करने वाले अंतर प्रांतीय तस्कर गिरोह का मुख्य सरगना शहर के किसी होटल में ठहरा हुआ है। स्थानीय तस्करों के साथ मिल कर तस्करी की डील कर रहा है। इसी गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। शहर के होटलों व लॉज में छापेमारी शुरू की. इसी क्रम में शहर के स्टेशन

चौक के समीप स्थित सिटी गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 305 में जब छापेमारी की गई तो पता चला कि एक व्यक्ति सिटी गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 305 में संदिग्ध अवस्था में ठहरा हुआ है. जिसकी तलाशी ली गयी तो एक अवैध रिवाल्वर व एक मोबाइल बरामद किया गया। फारबिसगंज एसडीपीओ ने बताया कि बरामद रिवाल्वर पर मेड इन जापान लिखा हुआ है व बरामद मोबाइल में मादक पदार्थ स्मैक व विभिन्न तरह के अवैध हथियार की डीलिंग के फोटोग्राफ भी मिले हैं। गिरफ्तार तस्कर का नाम मोहम्मद रियाजुल शेख पिता अब्दुल सत्तार शेख, कलिकापुर ठाकुरपाड़ा कलिया चक मालदा पश्चिम बंगाल का निवासी है। गिरफ्तार व्यक्ति ने पूछताछ के क्रम में स्वीकार किया है कि वे अररिया व पूर्णिया जिला के सभी बड़े स्मैक तस्कर के संपर्क में लगातार रह कर उन तस्करों को पश्चिम बंगाल के मालदा से अपने सरगना से स्मैक व हथियार की डिलिवरी लाकर करवाता है। उक्त तस्कर ने पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है जिसका विधिवत अनुसंधान कर साक्ष्य संकलन करते हुए संबंधित स्मैक व हथियार कारोबारी के विरुद्ध विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी जारी, सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये से लेकर 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये से लेकर 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में सांकेतिक गिरावट आई है।

न्यूज ब्रीफ

अक्टूबर के पहले पखवाड़े में बैंकों से 1.12 लाख करोड़ निकाले गए, मार्च से अक्टूबर तक बैंकों का जमा 7.7 फीसदी बढ़कर 220 लाख करोड़ रुपये के करीब

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीन आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर के पहले पखवाड़े में बैंकों से 1.12 लाख करोड़ रुपये निकाले गए हैं। इन पैसों का मुख्य इक्विटी बाजार में निवेश हुआ था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स अक्टूबर में 6 फीसदी तक गिरा, जिससे निवेशकों को हानि हुई। यह गिरावट उन्हें सुरक्षित समझे जाने वाले बैंकों में निवेश करने के लिए प्रेरित करने लगी। सितंबर में बीएसई सेंसेक्स अपना रिकॉर्ड 85,800 के पार पहुंच गया था। उस समय बाजार में निवेश बढ़ रहा था और सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 478 लाख करोड़ रुपये हो गई थी।
आरबीआई के आंकड़े दर्शाते हैं कि अगस्त के अंत में बैंकों का कुल जमा 215.50 लाख करोड़ रुपये था। सितंबर के पहले हफ्ते में यह 45,000 करोड़ रुपये कम होकर 215.05 लाख करोड़ रह गया, लेकिन बाजार में गिरावट के चलते यह फिर बढ़ गया। बैंकों के कुल कर्ज में चार लाख करोड़ की वृद्धि देखी गई है, जबकि जमा में 5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। मार्च से अक्टूबर तक बैंकों का जमा 7.7 फीसदी बढ़कर 220 लाख करोड़ रुपये के करीब है। म्यूचुअल फंड में एसेट अंडर मैनेजमेंट की मूल्य 25.9 फीसदी बढ़ गई है, जबकि शेयर बाजार में निवेशकों के 47 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बाजार पूंजीकरण 27 सितंबर को 477.90 लाख करोड़ रुपये था, जो अब 430.60 लाख करोड़ रुपये तक गिर चुका है।

टमाटर की होलसेल कीमतों में गिरावट शुरू, 14 से 20 रुपये किलो तक कम हुए टमाटर के दाम

नई दिल्ली । टमाटर की होलसेल कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है, जिससे देशभर में खुदरा मूल्य में भी कई गिरावटें आई हैं। दिल्ली-एनसीआर में टमाटर की कीमत पिछले 10 दिनों में 80 रुपये से 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक आ गई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, नवंबर के मध्य बाजार में टमाटर का औसत खुदरा मूल्य 52.35 रुपये प्रति किलोग्राम रहा जो कुछ हफ्ते पहले 67.50 रुपये प्रति किलोग्राम था। गिरावट की जानकारी के बाद देश के बड़े शहरों में भी खुदरा मार्केट में टमाटर की कीमतों में कमी देखने को मिल रही है। इसी अवधि के दौरान, दिल्ली की आजादपुर मंडी में मॉडल थोक मूल्य में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। मंत्रालय ने बताया कि कई प्रमुख बाजारों से सूचना मिली है कि कीमतों में सुधार की संकेत मिल रहा है। कुल मिलाकर टमाटर की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ उत्पादन में भी वृद्धि की संभावना है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का टमाटर उत्पादन चार प्रतिशत बढ़कर 213.20 लाख टन होने का अनुमान है, जो समय परांत में उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लाभ के साथ मानसिक आराम भी देगा ।

भारत की आर्थिक वृद्धि 6 तिमाहियों के निचले स्तर पर आने की आशंका, जून तिमाही के दौरान अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत थी

नई दिल्ली । भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में सितंबर 2025 के तिमाही में कमी हो सकती है, जैसा कि उच्च संकेतकों से पता चलता है। विनिर्माण क्षेत्र में सुस्ती के कारण यह संभावना है कि अर्थव्यवस्था का निचला पड़ता रह सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने जून तिमाही के दौरान अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत बताई थी, परंतु अपने अक्टूबर के बुलेटिन में इसे 6.8 प्रतिशत कम कर दिया। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद 7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान रखा था। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 29 नवंबर को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी करने का ऐलान किया है। सितंबर तिमाही के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो जून तिमाही में 5.45 प्रतिशत थी। आर्थिक बाजार के मुख्य अर्थशास्त्री ने इस समय की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि जीडीपी वृद्धि में गिरावट की संभावना है, विशेषकर विनिर्माण क्षेत्र में।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

ब्याज दरों में कटौती की बात को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,870.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 421.46 अंक यानी 2.21 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 18,686.19 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 43,454.93 स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,063.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,269.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 19,210.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 233.45 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,659.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.97 प्रतिशत की छलांग लगा कर 2,464.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.23 प्रतिशत उछल कर 3,372.18 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,451.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

केंद्र सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर लगाएगी रोक

नई दिल्ली । केंद्र सरकार वर्तमान में लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर रोक लगाने के तौर-तरीकों पर विचार कर रही है, जिससे देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लक्ष्य को प्रोत्साहित किया जा सके। सरकार की ओर से शुरूआत में आयात को मौजूदा स्तर से 5 फीसदी कम करने की संभावना तलाश की जा रही है ताकि जब आयात सीमा लागू हो, तो देश में उपकरणों की आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो। अगस्त 2023 में, चीन पर निर्भरता कम करने के लिए चुनिंदा आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए लाइसेंस की योजना की गई थी, लेकिन उद्यमों और अमेरिका जैसे व्यापारिक भागीदारों की चिंताओं के बाद सरकार ने नवंबर 2023 से ऑनलाइन आयात परमिट के लिए नई प्रबंधन प्रणाली की घोषणा की थी। नई व्यवस्था में 7 आईटी हार्डवेयर उत्पादों को शामिल किया गया था, जिसे 31 दिसंबर तक के लिए लागू किया गया था। इस सावधानी की प्रक्रिया के साथ, सरकार के द्वारा नई योजना के तहत विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए आयात को घटाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए नए उपायों का परीक्षण किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यह प्रक्रिया पूरे संकेतों के साथ संभव है और राष्ट्रीय सुरक्षा के पहलुओं को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके साथ ही, कम से कम दो नई विदेशी कंपनियां भारत में विनिर्माण शुरू करने की योजना बना रही हैं, जिससे देश की नीति में स्थिरता और और उत्पादन क्षमता में सुधार हो सके। इस प्रगति में सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं और विनिर्माण के सक्षमता में बढ़ोतरी को सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध धारणाएं लेने का प्रस्ताव किया गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,413.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत लुढ़क कर 3,741.82 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 376.15 अंक यानी 0.97 प्रतिशत टूट कर 38,266.76 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 150.92 अंक यानी 0.66 प्रतिशत फिसल कर 22,591.85 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,152.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अमेरिका की जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी भारत में स्थापित कर सकती है कैंपस

नई दिल्ली

अमेरिकी उच्चतम शिक्षा संस्थान जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी (जेएचयू) ने भारत में कैंपस स्थापित करने की योजना बनाई है।

इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव की चर्चा के लिए जेएचयू के प्रतिनिधिमंडल ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। इस मुलाकात में जेएचयू के अध्यक्ष रोनाल्ड जे. डेनियल के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आया। इस मंडल में जेएसयू की आंतरिक इकाई, गुप्ता स्की इंडिया इंस्टीट्यूट के अधिकारी भी शामिल थे। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य जेएचयू समुदाय को भारत में भागीदारों के साथ जोड़ना और लगातार उन्नति करना है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मुलाकात में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एनईपी 2020 भारतीय शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा मंत्री ने जेएचयू की सराहना की और बताया कि इस साझेदारी से छात्रों और शिक्षकों के बीच नए क्षेत्रों में अनुसंधान की सहायता होगी। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार जेएसयू के साथ एक भारतीय कैंपस की स्थापना के लिए चर्चा की गई। इस चर्चा में गुप्ता और उनकी टीम ने भारत-अमेरिका शैक्षिक सहयोग के महत्व को उजागर किया।

जेएसयू की यह प्रतिनिधिमंडल भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ गहरी साझेदारी को मजबूत करने के लक्ष्य में भारत में विभिन्न संस्थानों का दौरा करेगा। इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव के साथ यह मंडल सरकार के अधिकारियों, शिक्षाविदों और कांसुलर प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत करेगा। जेएचयू के भारतीय मूल के कुछ प्रमुख फैकल्टी सदस्यों ने भी इस बहस में भाग लिया।

ई-कॉमर्स मंच मीशो 2.2 करोड़ संदिग्ध लेनदेन के खिलाफ कार्रवाई में अग्रणी

नई दिल्ली

सॉफ्टबैंक के समर्थित ई-कॉमर्स मंच मीशो ने पिछले एक साल में दिखाए गए 2.2 करोड़ संदिग्ध लेनदेन के खिलाफ कार्रवाई की है। कंपनी ने 12 मामले दर्ज किए हैं, जिसमें से 13 लाख बॉट ऑर्डर रोके गए हैं और 77 लाख प्रयासों को रोका गया है ताकि गुनाहगार घोटाले न कर सकें। सोमवार को जारी ट्रस्ट एश्योरेंस रिपोर्ट में कहा गया है कि मीशो ने अग्रणी विश्लेषणात्मक मॉडल, परिष्कृत डेटा विज्ञान और उन्नत कम्प्यूटेशनल लॉजिक विकसित किए हैं। इससे कंपनी ने 2.2 करोड़ से अधिक धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोका है।

एलजीबीआई हवाई अड्डे पर 1.74 लाख यात्रियों की आवाजाही

एलजीबीआई हवाई अड्डे पर सामान्य दिनों में 127 उड़ानें चलाई जाती हैं

गुवाहाटी

गुवाहाटी स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छह नवंबर से 10 दिनों में 1.74 लाख यात्रियों की आवाजाही हुई। अदाणी समूह ने दोस्ती भरे बयान में आते हुए जानकारी दी कि इस हवाई अड्डे ने इस सप्ताही समय में 1,202 उड़ानें संचालित की गई और यात्रियों के लिए सुचारू सेवाएं उपलब्ध कराई गई। कंपनी ने अपनी सफलता का जश्न मनाते हुए कहा कि 14 नवंबर को हमारे अड्डे पर साल के सर्वाधिक 20,413 यात्रियों की सेवाएं दी गईं और 146 फ्लाइट ऑपरेशंस सफलतापूर्वक संपन्न हुए। एलजीबीआई हवाई अड्डे पर सामान्य दिनों में 127 उड़ानें चलाई जाती हैं जिससे दिन-प्रतिदिन लगभग 17,500 यात्री इस्तेमाल करते है। यात्रियों के बढ़ते संख्या को देखते हुए, अदाणी समूह ने स्पष्ट कहा कि वे सुनिश्चित करेंगे कि यातायात का सुचारू प्रबंधन जारी रहे ताकि यात्री सुरक्षित और सुविधाजनक ढंग से यात्रा कर सकें। मेवाड़ी एलजीबीआई हवाई अड्डे पर यात्रियों की उल्लासित परिवार यहां खूबसूरत ताजमहल को देखने की आवाजाही कर रहे हैं। उन्होंने साझा किया कि इस स्थल पर उन्होंने अपने परिवार के साथ बहुत अच्छे अनुभव किए हैं और उन्हें अपने अगले यात्रा की योजना भी यही रखना है। इस तरह सफलतापूर्वक चल रहे हवाई अड्डे का यात्रियों द्वारा स्वागत है। नवंबर माह ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को एक स्तर पर मिलाकर परिवारिक सुखद अनुभव प्रदान किया है।

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ दो दिनों में 32 फीसदी सब्सक्राइब, शेयर 21 नवंबर को होगा सूचीबद्ध

नई दिल्ली

ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में सोमवार को निवेश का तीसरा और आखिरी दिन है। पिछले दो दिनों में यह इश्यू कुल 32 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। खुदरा कैटेगरी में यह 92 फीसदी, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) कैटगरी में 25 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) कैटगरी में चार फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है।

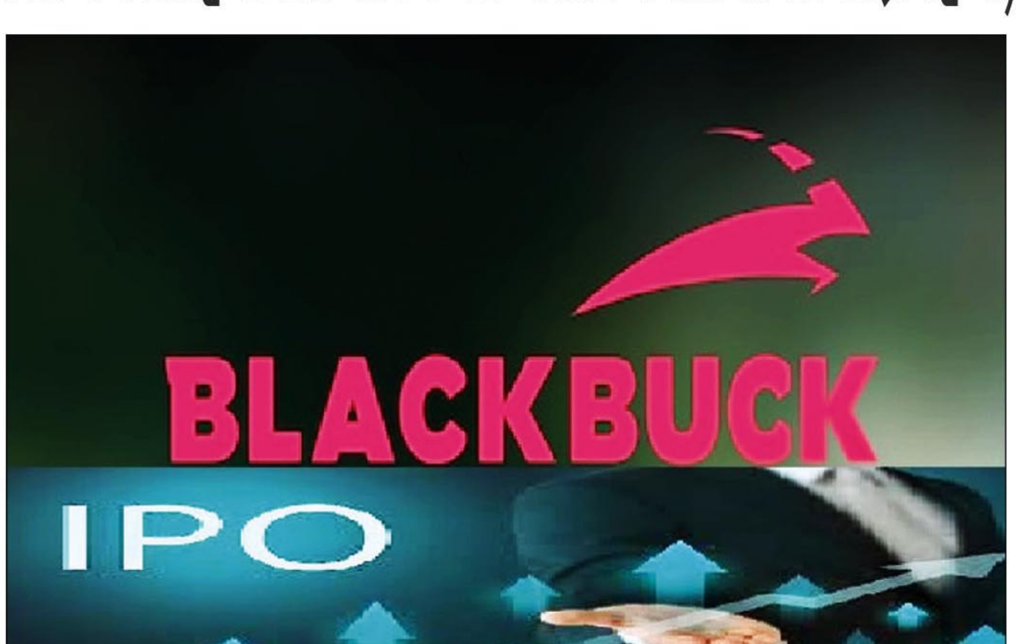

जिंका लॉजिस्टिक्स के आईपीओ का साइज 1114.72 करोड़ रुपये है। ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म वाली कंपनी के आईपीओ में 550 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होंगे। वहीं, मौजूदा शेयरहोल्डर्स और प्रमोटर्स की ओर से 2.16 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) रहेगा। अपर प्राइस बैंड पर ओएफएस की वैल्यू लगभग 564.72 करोड़ रुपये होगी। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,115 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 21 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे। जिंका लॉजिस्टिक्स नए निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए करेगी। इसके अलावा 140 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश के लिए किया जाएगा, जबकि 75 करोड़ रुपये उत्पाद विकास से संबंधित व्यय के वित्तपोषण के लिए तथा एक हिस्सा सामान्य कंपनी अपने कामकाज में लगाएगी। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 259-273 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 54 इक्विटी शेयर और उसके बाद 54 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस की कंपनी पात्र कर्मचारियों को 25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का डिस्काउंट का ऑफर दे रही है। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड कंपनी ट्रक ऑपरेटरों (यूजर्स की संख्या के हिसाब से) के लिए भारत का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है। देश में 963,345 ट्रक ऑपरेटर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में इस प्लेटफॉर्म पर ट्रांजेकक्शन किया। ये कंपनी ट्रक ऑपरेटरों को अपना बिजनेस मैनेज करने और उनकी कमाई बढ़ाने के लिए डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर भारत में ट्रकिंग इंडस्ट्री को बदलने के लिए डेडिकेटेड है।

यूएसपीएल सीजन 3 : शुभम रंजने होंगे मैरीलैंड मेवरिक्स के कप्तान

फ्लोरिडा

फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में शुरू हो रहे यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 के लिए शुभम रंजने मैरीलैंड मेवरिक्स टीम के कप्तान होंगे, जबकि नोस्टुश केनजिगे (नोश) उनके डिप्टी होंगे। मेवरिक्स की टीम अपना पहला मैच अटलांटा ब्लैककैप्स के खिलाफ 22 नवंबर को खेलेगी।

22 नवंबर से शुरू रहे क्रिकेट के इस महाकुंभ का पहला मैच कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच खेला जाना है, जबकि इसी दिन दूसरा मैच मैरीलैंड मेवरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स के बीच देखने को मिलेगा।

मैरीलैंड मेवरिक्स ने पुणे में जन्मे 30 वर्षीय शुभम रंजने को अपनी टीम की कमान सौंपी है। इस बारे में शुभम ने कहा, किसी भी टीम का नेतृत्व करना हमेशा ही बड़ी बात होती है और यह मेरे लिए भी गर्व का विषय है। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के एक समूह का नेतृत्व करना, खेलों के लिए रणनीति बनाना और अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसके लिए पूरी तरह से आश्वस्त हूं।

34 टी20 खेल चुके शुभम ने आगे कहा, टीम का नेतृत्व करना अपने आप में बड़ी बात है, ऐसे में खुद की प्रतिभा को दिखाने के साथ ही बाकी साथियों का शत प्रतिशत निकालना और टीम को सफल बनाना भी आपकी ही जिम्मेदारी होती है। फिलहाल टीम पूरी तरह से तैयार है और हमारी निगाह सिर्फ ट्रॉफी पर है।

उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से वैश्विक स्तर पर यूएसपीएल की लोकप्रियता बढ़ रही है उसमें प्रशंसकों और आयोजकों का बहुत बड़ा योगदान है।

मैरीलैंड मावेरिक्स अपना दूसरा मुकाबला 23 नवंबर को कैरोलिना ईगल्स के खिलाफ खेलेगी। लीग के प्रत्येक दिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले होंगे, जिससे प्रशंसकों को सिर्फ सेमीफाइनल और फाइनल ही नहीं, बल्कि रोजाना एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। दोनों सेमी-फाइनल मुकाबले 29 नवंबर को निर्धारित हैं, जबकि फाइनल मुकाबला 1 दिसंबर को खेला जाना है।

मैरीलैंड मेवरिक्स की टीम-

नोस्टुश केनजिगे, ड्वेन स्मिथ, नील ब्रूम, नितीश कुमार, रयान स्कॉट, केविन स्टाउट, रुशिल उगरकर, भास्कर यादराम, साद बिन जाफर, साई तेजा मुकामल्ला, शुभम रंजने, एहसान आदिल, फणी तेजा सिम्हाद्री, सुजीत नायक, श्रेयस मोव्वा।

न्यूज ब्रीफ

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित की, आमिर अली होंगे कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 26 नवंबर से 4 दिसंबर 2024 तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। पिछले साल भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था। इस साल, इस आयोजन में महाद्वीप की 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में भारत, चीनी ताइपे, जापान, कोरिया और थाईलैंड तथा पूल बी में बांग्लादेश, मलेशिया, चीन, ओमान और पाकिस्तान होंगे। हालांकि भारत मेजबान होने के कारण एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में टीम सुल्तान जोहोर कप में हाल ही में मिली सफलता की लय को जारी रखने की कोशिश करेगी, जहां टीम तीसरे स्थान पर रही थी। इंडिया कोल्ट्स की टीम का नेतृत्व आमिर अली करेंगे और उप कप्तान रोहित होंगे। मुख्य कोच और भारत के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा, सुल्तान जोहोर कप कई खिलाड़ियों के लिए पहली बार का अनुभव था, फिर भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शानदार जज्बा दिखाया और मैं उनके प्रदर्शन से काफी खुश हूं। टीम उस प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करेगी और जूनियर एशिया कप में सफल प्रदर्शन की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा, खिलाड़ी बेंगलुरु के साई में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में काफी मेहनत कर रहे हैं और हमने डिफेंस में अधिक प्रभावी होने और गोल करने में कुशल होने के लिए अपने खेल में कुछ बदलाव किए हैं।

जीएलडीएफ परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत, विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के सहयोग से, नई दिल्ली में 19 से 22 नवंबर, 2024 तक ग्लोबल लर्निंग एंड डेवलपमेंट फ्रेमवर्क (जीएलडीएफ) परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा। चार दिवसीय प्रशिक्षण में मालदीव, म्यांमार, नेपाल, मलेशिया, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, किर्गिस्तान और लाओस सहित 10 से अधिक देशों के एंटी-डोपिंग पेशेवर और विशेषज्ञ भाग लेंगे, साथ ही वाडा, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। जीएलडीएफ प्रशिक्षण, वाडा के क्षमता निर्माण ढांचे के तहत एक आवश्यक पहल है। इसे विभिन्न कार्यक्रम क्षेत्रों में एंटी-डोपिंग चिकित्सकों की तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है, यह विशेष रूप से परिणाम प्रबंधन पर केंद्रित है।

पश्चिम बंगाल ने जीती चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग टीम चैम्पियनशिप

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के तैराकों ने यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में आयोजित चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग चैंपियनशिप 2024 में टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। पश्चिम बंगाल स्विमिंग पूल पर राज करते हुए कुल 151 पदक जीते, जिसमें 67 स्वर्ण, 43 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। उपविजेता कर्नाटक ने कुल 50 पदक जीते। इनमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य पदक हैं। 21 पदकों के साथ उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला। उन्होंने 8 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने भी 21 पदक (6 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य) जीते लेकिन उत्तराखंड से 2 स्वर्ण कम जीतने के कारण उसे चौथा स्थान मिला। महाराष्ट्र ने 13 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य) जीतकर 5वां स्थान प्राप्त किया। मणिपुर को 8 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य) के साथ छठा स्थान मिला। मेजबान दिल्ली ने 11 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य) जीते और पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया।

अबू धाबी टी10 : बांग्ला टाइगर्स की अगुआई करेंगे शाकिब, डेक्कन ग्लेडिएटर्स के कप्तान होंगे पूरन

अबू धाबी टी10 के आठवें संस्करण के लिए दस टीमों के कप्तान और कोच घोषित

अबू धाबी टी10 का आठवां संस्करण 21 नवंबर से होगा शुरू

अबू धाबी

अबू धाबी टी10 का आठवां संस्करण 21 नवंबर से शुरु हो रहा है। इस साल लीग में भाग लेने वाली दस टीमों के कप्तानों और मुख्य कोचों के नाम अब सामने आ गए हैं।

बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन दो साल पहले भी इसी भूमिका में खेलने के बाद एक बार फिर बांग्ला टाइगर्स की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान यूनिस खान लगातार तीसरे साल भी टाइगर्स के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल जारी रखेंगे।

डेक्कन ग्लेडिएटर्स में एक बार फिर शामिल होने वाले निकोलस पूरन लगातार तीसरी बार टीम की कप्तानी करेंगे। उनकी कप्तानी में ही ग्लेडिएटर्स ने 2022 में अपना दूसरा खिताब जीता था और 2023 के संस्करण में भी फाइनलिस्ट बने थे। कोचिंग नेतृत्व में कोई बदलाव न करते हुए ग्लेडिएटर्स ने मुश्ताक अहमद को अपना मुख्य कोच बनाए रखने का फैसला किया है।

दिल्ली बुल्स की कमान वेस्टइंडीज के टी20 कप्तान रोवमैन पॉवेल को सौंपी गई है, जिन्होंने 2022 में नॉर्दर्न वॉरियर्स की भी कमान संभाली थी। एंडी फ्लावर क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे और तीन साल बाद मुख्य कोच के पद पर लौटेंगे।

दो बार की चैंपियन नॉर्दर्न वॉरियर्स को भी अपने नेतृत्व में बदलाव का सामना करना पड़ेगा क्योंकि न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट एंजेलो मैथ्यूज की जगह लेंगे। कोचिंग के मोर्चे पर, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेव व्हाटमोर वॉरियर्स के मुख्य कोच के रूप में शामिल होंगे।

इंग्लिश क्रिकेटर फिल साल्ट इस सीजन में टीम अबू धाबी के कप्तान के रूप में ड्वेन प्रीटोरियस की जगह लेंगे, जबकि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर मार्क बाउचर मुख्य कोच के रूप में टीम में शामिल होंगे।

मॉरिसविले सैम्प आर्मी का नेतृत्व पाकिस्तान के रोहन मुस्तफा करेंगे, जबकि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर लांस क्लूजनर को इस सीजन में मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गई है।

गत चैंपियन न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स ने अपने सफल कोचिंग-कप्तान जोड़ी में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। इसलिए, कीरोन पोलार्ड और कार्ल क्रो, जो 2022 में अपनी स्थापना के बाद से स्ट्राइकर्स के साथ जुड़े हुए हैं, तीसरी बार टीम का नेतृत्व और प्रशिक्षण जारी रखेंगे। पूर्व श्रीलंकाई सीमित ओवरों के कप्तान थिसारा परेरा लीग के सीज़न 8 के लिए चेन्नई ब्रेव्स जगुआर के कप्तान के रूप में चरित असलांका की जगह लेंगे, जबकि पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने इस साल टीम को कोच करने के लिए डगलस ब्राउन की जगह ली है। इस साल अबू धाबी टी10 में पदार्पण करने वाली यूपी नवाब की कमान अफगानिस्तान के स्टार रहमानुल्लाह गुरबाज संभालेंगे। टीम के मुख्य कोच की भूमिका इस साल पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर ओवैस शाह ने संभाली है।

अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी टूर्नामेंट में अपने डेब्यू के दौरान अजमान बोल्ट्स के लिए कप्तान की भूमिका निभाएंगे, जबकि प्रसिद्ध क्रिकेट कोच ओटिस गिब्सन कोचिंग की भूमिका निभाएंगे।

लीग के आठवें संस्करण में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी शामिल हैं और रोस्टर में दो नई टीमें शामिल हैं, इस साल टूर्नामेंट वाकई कुछ रोमांचक क्रिकेट के साथ प्रशंसकों को आश्चर्यचकित करने वाला है। टूर्नामेंट की शुरुआत टीम अबू धाबी और हाल ही में शामिल अजमान बोल्ट्स के बीच मुकाबले से होगी, जबकि गत चैंपियन न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स एक दिन बाद मॉरिसविले सैम्प आर्मी के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगे।

टी10 टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लीग चरण के बाद अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेऑफ़ चरण 1 दिसंबर को शुरू होगा, जिसमें क्वालीफ़ायर और दो एलिमिनेटर एक ही दिन होंगे। दस टीमों के बीच 12-दिवसीय टूर्नामेंट 2 दिसंबर को समाप्त होगा।

कोकीन का सेवन करने के कारण कीवी तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल पर लगा एक महीने का प्रतिबंध

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल को कोकीन का सेवन करने के कारण एक महीने के लिए क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। 34 वर्षीय ब्रेसवेल को इस साल जनवरी में सेंट्रल स्टैग्स और वेलिंगटन के बीच खेले गए टी20 मैच के बाद प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाया गया था। ब्रेसवेल ने गेंद से 21 रन देकर 2 विकेट चटकाने के साथ ही बल्ले से सिर्फ 11 गेंदों पर 30 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था।

स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी कमीशन ते काहू रौनुई ने ब्रेसवेल पर प्रतिबंध लगाया। हालांकि, यह भी पाया गया कि कोकीन का सेवन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले किया गया था और इसलिए, उसे कम सजा मिली।

गेंदबाज द्वारा पदार्थ के उपयोग को संबोधित करने के लिए एक उपचार कार्यक्रम पूरा करने के बाद सजा जो शुरू में तीन महीने की थी, उसे घटाकर एक महीने कर दिया गया।

एक महीने का निलंबन अप्रैल 2024 तक वापस कर दिया गया और परिणामस्वरूप, गेंदबाज ने पहले ही अपना प्रतिबंध पूरा कर लिया है, जिससे उसे किसी भी समय क्रिकेट खेलना फिर से शुरू करने की अनुमति मिल गई है।

ब्रेसवेल आखिरी बार न्यूजीलैंड के लिए मार्च 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में खेले थे। उन्होंने खेल के तीनों प्रारूपों में देश के लिए 69 प्रदर्शन (28 टेस्ट, 21 वनडे, 20 टी20) खेले हैं।

महिला क्रिकेट : अन्वेष चटर्जी ने की शानदार गेंदबाजी, सुपर स्ट्रीकर ने जीता मैच

लखनऊ

महिला क्रिकेट लीग मैच में स्काई को सुपर स्ट्रीकर ने पांच विकेट से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में सुपर स्ट्रीकर की कप्तान अन्वेष चटर्जी ने शानदार गेंदबाजी करती हुई मात्र 31 रन देकर चार विकेट झटकी। स्काई की पूरी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर से पहले 24वें में ही 66 रन बनाकर धाराशायी हो गयी। अपनी टीम में निधि सिंह ने सबसे अधिक 20 रन बनाया। वहीं सलामी बल्लेबाज तथीर फातिमा ने मात्र छह रन बनाये। वहीं शशि ने दो रन, अर्पिता सिंह ने छह रन, चांदनी शर्मा ने एक रन, आकंक्षा व सेजल ने दो-दो रन बनाये, जबकि रामा सिंह शून्य पर पवेलियन लौट गयीं। वहीं सुपर स्ट्रीकर की टीम ने पांच विकेट खोकर 23वें ओवर में ही 69 रन बना लिये और पांच विकेट से मैच को जीत लिया। अपेक्षा त्रिपाठी ने अपनी टीम में सर्वाधिक 18 रन बनाये। वहीं सलामी बल्लेबाज अप्रिता चौधरी ने 13 रन का योगदान दिया। खुशबू और प्रतिमा ने सात-सात रन बनाये।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 : जापान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए तैयार भारत

राजगीर

बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में भारत और जापान के बीच रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मंच तैयार है। दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और वे 20 नवंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे।

भारत शानदार फॉर्म में है, 5 मैचों में 15 अंकों के शानदार रिकॉर्ड के साथ ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहा। उन्होंने 26 गोल किए हैं और केवल दो खाए हैं। इस बीच, जापान 5 अंकों के साथ ग्रुप स्टेज में चौथे स्थान पर रहा, जिसने छह गोल किए और नौ खाए। उनका आखिरी मुकाबला, 17 नवंबर को भारत के खिलाफ था, जिसे भारतीय टीम ने 3-0 से जीता।

भारतीय कप्तान सलीमा ने सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम के मूड के बारे में बताते हुए कहा, जैसे ही हम बस से उतरते हैं, नेहा सभी को नाचने पर मजबूर कर देती है, और इससे माहौल पूरी तरह बदल जाता है। हम सभी उसके नेतृत्व का अनुसरण करने की कोशिश करते हैं, भले ही हम उसके करीब न हों, लेकिन यह साधारण कार्य पूरी टीम को उत्साहित करता है। हम मुस्कुराते हुए मैदान पर उतरते हैं, और परिणाम खुद ही सब कुछ बयां कर देते हैं। जापान एक मजबूत टीम है, और ग्रुप चरण में हमने उनके खिलाफ एक कठिन मैच खेला था, लेकिन हमें अपनी तैयारी और अपने साथियों पर भरोसा है। हम सेमीफाइनल में भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

मेजबान टीम ने टूर्नामेंट में अब तक सभी सिलेंडरों पर फायर किया है, जिसकी अगुआई दीपिका कर रही हैं, जिन्होंने अब तक पांच मैचों में 10 गोल किए हैं। संगीता कुमारी भी फॉरवर्ड लाइन में सक्रिय रही हैं, जिन्होंने चार गोल किए हैं।

जापान अपने मजबूत डिफेंसिव संगठन के लिए जाना जाता है, जिसने अपने पिछले मुकाबले में भारत को आधे समय तक चुनौती दी थी। और मियू हसेगावा दो गोल के साथ जापान की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी हैं।

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, पूल मैच अलग तरह के होते हैं और सेमी-फ़ाइनल भी अलग तरह का होता है। सभी टीमें अपनी-अपनी योजनाएँ लेकर आती हैं और हमें जापान से कुछ प्रतिरोध का सामना ज़रूर करना पड़ेगा; वे एक मज़बूत टीम हैं। लेकिन हमें अपना होमवर्क करना होगा, हमें यह पता लगाना होगा कि हम कहाँ ज़्यादा मौके बना सकते हैं। अपने खेल पर ध्यान देना और जिस तरह से हम खेलना चाहते हैं, उस तरह से खेलना ज़्यादा ज़रूरी है। यह सब खेल की एक नई शैली बनाने और ओलंपिक और विश्व कप के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अपने निर्णय लेने में सुधार करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। अब तक, टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हमें उम्मीद है कि कल भी यही गति जारी रहेगी।

इस प्रतियोगिता का विजेता फाइनल में पहुंचेगा, जहां उसका सामना 20 नवंबर को चीन और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा।

आईओए के सहयोग से ऐतिहासिक खो-खो विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली

भारत 13 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के प्रतिष्ठित आईजीआई स्टेडियम में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो पारंपरिक खेलों की दुनिया में एक ऐतिहासिक क्षण है। टूर्नामेंट को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने आधिकारिक तौर पर भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के साथ अपनी साझेदारी की पुष्टि की है, और इस आयोजन के लिए अटूट समर्थन का वादा किया है।

केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को दिए गए एक बयान में, आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए एसोसिएशन की दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। आईओए ने टूर्नामेंट की दृश्यता बढ़ाने, अधिकतम पहुंच और सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक समर्थन प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, हम अपनी सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने में इस आयोजन के महत्व को पहचानते हैं, और हम टूर्नामेंट की सफलता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय खो-खो महासंघ के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य इस आयोजन को यादगार और प्रभावशाली बनाना है, प्रतिभागियों के बीच खेल भावना को प्रोत्साहित करना और दुनिया भर में खो-खो के लिए गहरी प्रशंसा को बढ़ावा देना है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आईओए के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और टूर्नामेंट में इस साझेदारी से मिली जबरदस्त बढ़त को स्वीकार किया।

उन्होंने कहा, अध्यक्ष पीटी उषा के नेतृत्व में आईओए का समर्थन खो-खो के लिए एक बड़ा बदलाव है। यह सहयोग खो-खो को वैश्विक मानचित्र पर लाने में महत्वपूर्ण है, और हम पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए रोमांचित हैं, जो इस खेल के लिए वास्तव में एक ऐतिहासिक आयोजन है।

खो-खो विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी, जिसमें छह महाद्वीपों के 25 शानदार देश प्रतिस्पर्धा करेंगे। मेजबान भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका सहित एशिया की टीमें अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और ओशिनिया के प्रतियोगियों के साथ मुकाबला करेंगी। घाना, केन्या, इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश प्रतिभागियों में शामिल होंगे, जो खो-खो की बढ़ती वैश्विक अपील को उजागर करते हैं।

यह बहु-राष्ट्रीय, उच्च-ऊर्जा टूर्नामेंट खो खो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने, उत्साह पैदा करने और खेल में दुनिया भर में रुचि जगाने के लिए तैयार है। आईओए के समर्थन के साथ, विश्व कप खेल के इतिहास में एक निर्णायक क्षण बनने के लिए तैयार है, जो एथलीटों और प्रशंसकों को खो खो को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। आने वाले वर्षों में, इस खेल को न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में और भी अधिक लोकप्रियता मिलने की उम्मीद है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर अपनी जगह बना रहा है।

भाषा की सीमा...

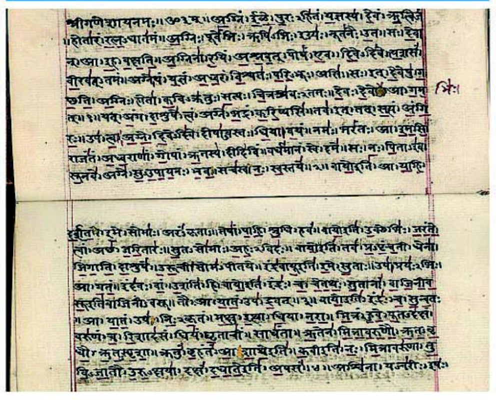

आध्यात्मिक अनुभव शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें शब्द नहीं दिए जा सकते। जहां हम बोल नहीं सकते वहां हमें मौन के साथ व्यक्त करना चाहिए। नैतिकता, धार्मिक और सौंदर्यबोध विषयक मुद्दे और उनके समाधान प्राकृतिक विज्ञान से अलग, उत्तमोत्तम होते हैं। ऐसे अनुभवों को समझने के लिए व्यक्ति के पार जाना होगा। शंकराचार्य भी कहते हैं कि आत्मा और ब्रह्म अपने आपको प्रदर्शित करते हैं, यदि कुछ स्थितियां मेल खाएं। आत्मा जो कि हमेशा उपस्थित रहने वाली वास्तविकता है अपने आपको तब प्रकट करती है जब ज्ञान के सही माध्यम उपस्थित होते हैं, वह स्थान, या समय या औपचारिक पवित्रता में विश्वास नहीं रखती। सभी आध्यात्मिक अनुभवों के मामले में, कहने का स्थान प्रदर्शन ने ले लिया है। वह व्यक्ति जिसने उसे महसूस कर लिया या समझ लिया है, वह वाक्य जिसका उपयोग वर्णन के लिए हुआ, या ऐसे अनुभव का वर्णन करना अतर्कसंगत होने के अलावा और कुछ नहीं है। उसके लिए भाषा बेकार है। भाषा केवल छत तक पहुंचने का साधन है। जब वह छत पर पहुंच जाता है, तो उसे बोलना ही पड़ता है, सीढ़ियां दूर फेंक दो, वह चढ़ने का आदि हो जाएगा। ऋग्वेद भाषा की सीमा के बारे में बात करता है। इसे अधिक से अधिक बतौर एक टूल या सीढ़ी के रूप में इस्तेमाल में लाया जा सकता है। व्यवहारिक स्तर पर इसे एक दिन का कार्य अनुभव के रूप में वर्णित किया जा सकता है। लेकिन जिस क्षण हम भाषा का इस्तेमाल उच्चतर और गहरे अनुभवों और उनके ज्ञान का वर्णन करने की कोशिश करेंगे, वह व्यक्ति में असफल हो जाएगी। ऋग्वेद कहता है, ब्रह्मज्ञान की अवस्था पर शब्द और अर्थ के बीच का अंतर गायब हो जाता है। वहां भाषा के लिए कोई जगह नहीं होती। हमारे अनुभव और इनका ज्ञान उच्चतर स्तर का है या सांसारिक चीजों के बारे में इस बात की जांच करने का मानदंड यह है कि क्या भाषा उसे व्यक्त करने में सफल है या नहीं है। इसलिए यह कहा जाता है, जहां भाषा अवकाश पर जाती है, और उस पर परिलक्षित होने की कोई बात नहीं होती, तो वह आत्मज्ञान की उच्चतम अवस्था होती है। कठोपनिषद् कहता है कि ब्रह्म की प्रकृति ऐसी है कि उसे वाद-विवाद और चर्चा द्वारा समझा नहीं जा सकता। इसे शब्द नहीं दिए जा सकते।

पर्स का वास्तु...

घर का वास्तु, आफिस का वास्तु, आपकी कार का वास्तु, हर चीज में जब आप वास्तु का ध्यान रखते आए हैं तो पर्स में वास्तु का ध्यान क्यों नहीं रखा जा सकता? जिस तरह हमारे आसपास का वातावरण हमें प्रभावित करता है। उसी प्रकार हमारा बैग या पर्स भी हमें प्रभावित करता है। सभी चाहते हैं कि उनका पर्स हमेशा पैसों से भरा रहे और फिजूल खर्च न हो। आय बढ़ाने और फिजूल खर्चों में कमी करने के लिए पर्स का वास्तु भी ठीक करने की आवश्यकता है। कुछ लोग पर्स में ही चाबियां भी रखते हैं,

चाबियां रखना अशुभ माना जाता है। किसी भी प्रकार की अपवित्र वस्तु न रखें। फिजूल वस्तुओं को तुरंत निकाल दें। पर्स में सिक्के और नोट दोनों ही अलग-अलग स्थानों पर रखने चाहिएं। पर्स में मृत व्यक्तियों के चित्र रखना भी शुभ नहीं माना जाता। पर्स में संत-महात्मा के चित्र रखे जा सकते हैं। यदि कोई संत या महात्मा देह त्याग चुके हैं तब भी उनके चित्र या फोटो पर्स में रखे जा सकते हैं क्योंकि शास्त्रों के अनुसार देह त्यागने के बाद भी संत-महात्माओं को मृत नहीं माना जाता। पर्स में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें। इनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है। इन्हें भी रुपए-पैसों से अलग ही रखना शुभ है। पर्स में नोट या सिक्कों के साथ खाने की चीजें नहीं रखनी चाहिएं। पर्स में किसी भी प्रकार के बिल या भुगतान से संबंधित कागज नहीं रखने चाहिए। अपने पर्स में एक लाल रंग का लिफाफा रखें। इसमें आप अपनी कोई भी मनोकामना एक कागज में लिख कर रखें। वह शीघ्र पूरी होगी। रात्रि में सोते समय पर्स कभी भी सिराहने न रख कर उसे हमेशा अलमारी में रखें। अपने पर्स में किसी पूर्णिमा को लाल रेशमी कपड़े में चुटकी भर या 21 दाने अखंडित चावल बांध कर छुपा कर रखने से बेवजह खर्च नहीं होता है।

विकारों पर विजय का मार्ग...

हम सभी समय-समय पर द्वेष, वैमनस्य, क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि के कारण दुखी होते हैं। हमें चाहिए कि हम शांतिपूर्वक जीवन जीएं और औरों के लिए भी शांति का ही निर्माण करें, लेकिन यह कैसे हो सकता है? एक तरफ हमारे मन में जागने वाले विचार और विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं है। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है। इस प्रकार हम सांस और संवेदनाओं को देख कर विकारों को देख सकते हैं। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा।

सभी सुख एवं शांति चाहते हैं, क्योंकि हमारे जीवन में सही सुख एवं शांति नहीं है। हम सभी समय-समय पर द्वेष, दौर्मनस्य, क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि के कारण दुखी होते हैं। जब हम दुखी होते हैं तब यह दुःख अपने तक ही सीमित नहीं रखते। हम औरों को भी दुखी बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति दुखी होता है तो आसपास के सारे वातावरण को अप्रसन्न बना देता है और उसके संपर्क में आने वाले लोगों पर इसका असर होता है। सचमुच, यह जीवन जीने का उचित तरिका नहीं है। हमें चाहिए कि हम भी शांतिपूर्वक जीवन जीएं और औरों के लिए भी शांति का ही निर्माण करें। आखिर हम सामाजिक प्राणि हैं, हमें समाज में रहना पड़ता है और समाज के अन्य व्यक्तियों के साथ पारस्पारिक संबंध रखना है। ऐसी स्थिति में हम शांतिपूर्वक जीवन कैसे जी सकते हैं? कैसे हम अपने भीतर सुख एवं शांति का जीवन जीएं और कैसे हमारे आसपास भी शांति एवं सौमनस्यता का वातावरण बनाए, ताकि समाज के अन्य लोग भी सुख एवं शांति का जीवन जी सके?

हम अशांत क्यों होते हैं?

हमारे दुःख को दूर करने के लिए पहले हम यह जान लें कि हम अशांत और बेचैन क्यों हो जाते हैं। गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब हमारा मन विकारों से विकृत हो उठता है तब वह अशांत हो जाता है। हमारे मन में विकार भी हो और हम सुख एवं सौमनस्यता का अनुभव करें, यह संभव नहीं है। ये विकार क्यों आते है, कैसे आते है? फिर गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब कोई व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप विकार आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनचाही बात के न होने पर, मनचाही बात के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गांठे बांधने लगते हैं। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनाचाही कभी होती है, कभी नहीं होती है, और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गांठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं।

दु:ख से बचने का उपाय

इस दुःख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए या और कोई हमारे मददकर्ता के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनचाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है। ऐसे में प्रश्न उठता है, कैसे हम विषम परिस्थितियों के पैदा होने पर अंधप्रतिक्रिया न दें? कैसे हम तनावग्रस्त न होकर अपने मन को शांत व संतुलित रख सकें?

एक उपरी उपाय

भारत एवं भारत के बाहर भी कई ऐसे संत पुरुष हुए जिन्होंने इस समस्या के, मानवी जीवन के दुःख की समस्या के समाधान की खोज की। उन्होंने उपाय बताया- जब कोई अनचाही के होने पर मन में क्रोध, भय अथवा कोई अन्य विकार की प्रतिक्रिया आरंभ हो तो जितना जल्द हो सके उतना जल्द अपने मन को किसी और काम में लगा दो। उदाहरण के तौर पर, उठो, एक गिलास पानी लो और पानी पीना शुरू कर दो–आपका गुस्सा बढेगा नहीं, कम हो जायेगा। अथवा गिनती गिननी शुरू कर दो–एक, दो, तीन, चार। अथवा कोई शब्द या मंत्र या जप या जिसके प्रति आपके मन में श्रद्धा है ऐसे किसी देवता का या संत पुरुष का नाम जपना शुरू कर दो। मन किसी और काम में लग जाएगा और कुछ हद तक तुम विकारों से, क्रोध से मुक्त हो जाओगे। इससे मदद हुई। यह उपाय काम आया। आज भी काम आता है। ऐसे लगता है कि मन व्याकुलता से मुक्त हुआ। लेकिन यह उपाय केवल मानस के उपरी सतह पर ही काम करता है। वस्तुतः हमने विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबा दिया, जहां उनका प्रजनन एवं संवर्धन चलता रहा। मानस के उपर शांति एवं सौमनस्यता का एक लेप लग गया लेकिन मानस की गहराइयों में दबे हुए विकारों का सुप्त ज्वालामुखी वैसा ही रहा, जो समया पाकर फूट पड़ेगा ही।

विकार से सामना

भीतर के सत्य की खोज करने वाले कुछ वैज्ञानिकों ने इसके आगे खोज की। अपने मन एवं शरीर के सच्चाई का भीतर अनुभव किया। उन्होंने देखा कि मन को और काम में लगाना यानी समस्या से दूर भागना है। पलायन सही उपाय नहीं है, समस्या का सामना करना चाहिए। मन में जब विकार जागेगा, तब उसे देखो, उसका सामना करो। जैसे ही आप विकार को देखना शुरू कर दोगे, वह क्षीण होता जाएगा और धीरे धीरे उसका क्षय हो जाएगा। यह अच्छा उपाय है। यह उपाय दमन एवं खुली छूट की दोनों अतियों को टालता है। विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबाने से उनका निर्मूलन नहीं होगा और विकारों को अकुशल शारीरिक एवं वाचिक कर्मों द्वारा खुली छूट देना समस्याओं को और बढाना है। लेकिन अगर आप केवल देखते रहोगे, तो विकारों का क्षय हो जाएगा और आपको उससे छुटकारा मिलेगा। कहना तो बड़ा आसान है, लेकिन करना बड़ा कठिन। अपने विकारों का सामना करना आसान नहीं है। जब क्रोध जागता है, तब इस तरह सिर पर सवार हो जाता है कि हमें पता भी नहीं चलता। क्रोध से अभिभूत होकर हम ऐसे शारीरिक एवं वाचिक काम कर जाते हैं जिससे हमारी भी हानि होती है, औरों की भी। जब क्रोध चला जाता है, तब हम रोते हैं और पछतावा करते हैं, इस या उस व्यक्ति से या भगवान से क्षमायाचना करते हैं-हमसे भूल हो गयी, हमें माफ कर दो। लेकिन जब फिर वैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है तो हम वैसे ही प्रतिक्रिया करते हैं। बार-बार पश्चाताप करने से कुछ लाभ नहीं होता।

दो चेतावनियां

सांस और संवेदनाएं दो तरह से मदद करेगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगी, वह हमें बताएगी कि देख, कुछ गड़बड़ है! हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। दोनों चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते हैं। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि ऐसा करने पर विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हम पर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

विकार की पहचान

हमारी कठिनाई यह है कि जब विकार जागता है तब हम होश खो बैठते हैं। विकार का प्रजनन मानस की तलस्पर्शी गहराईयों में होता है और जब तक वह उपरी सतह तक पहुंचता है तो इतना बलवान हो जाता है कि हम पर अभिभूत हो जाता है। हम उसको देख नहीं पाते। आलंबन को काटकर केवल विकार को देखना बिल्कुल आसान नहीं होता। लेकिन कोई व्यक्ति परम मुक्त अवस्था तक पहुंच जाता है, तो सही उपाय बताता है। ऐसा व्यक्ति खोज निकालता है कि जब भी मन में कोई विकार जागे तो शरीर पर दो घटनाएं उसी वक्त शुरू हो जाती हैं। एक, सांस अपनी नैसर्गिक गति खो देती है। सांस तेज एवं अनियमित हो जाती है। यह देखना बड़ा आसान है। दोन, सूक्ष्म स्तर पर शरीर में एक जीवरासायनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप संवेदनाओं का निर्माण होता है। हर विकार शरीर पर कोई न कोई संवेदना निर्माण करता है। यह प्रायोगिक उपाय हुआ। एक सामान्य व्यक्ति अमूर्त विकारों को नहीं देख सकता–अमूर्त भय, अमूर्त क्रोध, अमूर्त वासना आदि। लेकिन उचित प्रशिक्षण एवं प्रयास करेगा तो आसानी से सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाओं को देख सकता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है।

पुराने लहंगे के लुक को यूं बदलें ट्रेंडी स्टाइल में

अगर आप अपनी शादी के लहंगे को कई बार पहन चुकी हैं और अब उसे पहनते- पहनते बोर हो चुकी हैं, तो हम आपको बता रहे हैं 4 तरीके, जिससे आप अपने लहंगे को रिसाइल कर सकती हैं।

सबसे पहले बदले लहंगे का लुक

सबसे पहले आप अपने लहंगे का लुक बदल डालें। लहंगे को आप साड़ी स्टाइल, गुजराती लंहगा स्टाइल या रिस्ट स्टाइल (जिसमें दुपट्टे का एक कोना अपनी कलाई पर बांधते हैं) में पहन सकती हैं। इसमें आपको केवल करना होगा अपने लहंगे के साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट। इसमें आपके काम आएगा आपका टेलर। आप इसे ट्रडिशनल से हटाकर वेस्टनज़ भी बना सकती हैं और वो हो सकता है साड़ी गाउन के रूप में।

लहंगे को बनाएं अनारकली

अगर आपके पास कोई अच्छा टेलर है, तो आप अपने लहंगे या चोली (ब्लाउज) का अनारकली भी बनवा सकती हैं। ऊपर के लिए सिंपल फैब्रिक को लहंगे के घेरे के साथ सिलवा लें। ऐसे ही अगर चोली का अनारकली बनवाना है, तो इसके नीचे किसी अच्छे फैब्रिक की कलियां जुड़वा लें।

चोली से बनाएं ब्लाउज़

शादी के लहंगे की चोली के साथ एक्सपेरिमेंट करें और इसे किसी साड़ी के साथ पहनें। जैसे अगर आपके पास एम्ब्रॉयडरी वाली क्रेप चोली है, तो इसे सिंपल क्रेप साड़ी के साथ पेयर करें। वेलवेट चोली को नेट साड़ी या वेलवेट साड़ी के साथ पहनें। दोस्त की शादी या कोई फंक्शन अटेन्ड करना हो, तो कोई सिंपल लहंगा खरीदें और उसे शादी की चोली और दुपट्टे के साथ पहन लें। ऐसा करके आपके पैसे भी बचेंगे और लहंगा भी यूज हो जाएगा।

अलग ड्रेस के साथ पेयर करें दुपट्टा

लंहगे के दुपट्टे को स्ट्रेट फिट वाले सूट, अनारकली या फिर पटियाला सलवार-कमीज़ के साथ मिक्स एंड मैच करके पहनें। अगर आपका वेडिंग दुपट्टा नेट या टिशू का है, तो इसे सिर्फ उसी कलर के रॉ सिल्क सूट या वेल्वेट अनारकली के साथ ट्राय करें। अगर आपका दुपट्टा जॉजेट्ज़ का है तो इसे क्रेप या कॉटन सलवार-कमीज़ के साथ पहनें।आप लहंगे के साथ का दुपट्टा छोड़ दें। इसके साथ मिक्स एंड मैच करवाएं कॉट्रस्ट दुपट्टा। यह आपके लहंगे का पूरा लुक बदल देगा।

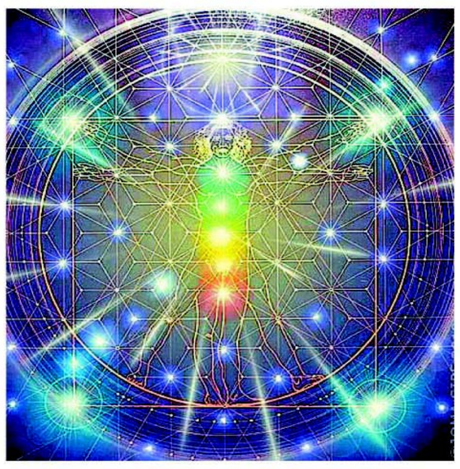

अपूर्णता से पूर्णता की ओर...

तीन आधारभूत स्तर ब्रह्मांड को प्रकट करते हैः भौतिक, अभौतिक और कारण संबंधी। यह सभी स्तर उत्तरोत्तर विकास के क्रम में हैं। मनुष्य अस्तित्व के भी तीन स्तर होते हैः स्थूल, सूक्ष्म और कारण। इनमें से एक चेतना को प्रदर्शित करता है। सबसे विकसित अवस्था चेतन स्तर है। मानव अस्तित्व की यह एक दोष रहित अवस्था है। लेकिन जहां अपूर्णता है वहां विकास की गुंजाईश है। अपूर्णता से पूर्णता की ओर जाने के आंदोलन को ही विकास कहते हैं। जो पूर्ण और शाश्वत है, ऐसे श्रेष्ठ या सबसे उत्तमोत्तम स्तर का विकास नहीं हो सकता है। लेकिन इसके अलावा अन्य स्तरों में विकास की गुंजाइश होती है। पांच अवयवों से मिलकर बना मानसिक स्तर वाला स्थूल शरीर ब्रह्मांड को प्रदर्शित करता है। यह जो हमारा शरीर है, वह उस ब्रह्मांड का ही छोटा रूप है, या यों कहें कि यह ब्रह्मांड का ही प्रर्दशन है। हर व्यक्ति का अधिकार है कि उस परमात्मा के ब्रह्मांडीय स्वरूप और उसके आनंद को प्राप्त करे और महसूस करे।

भौतिक शरीर अपूर्ण

भौतिक शरीर अपूर्ण और अस्थायी है। क्योंकि यह समय, स्थान और पहचान से बंधा है। मानव खुद को इन सब बंधनों यानी सापेक्षता से आजाद करने के लिए लगातार प्रयत्नशील है। अगर ऐसा नहीं होता तो बौद्धिक विकास भी नहीं होता। हमेशा भौतिक सुख सुविधाओं और उनसे जुड़े वजूद के लिए जूझने वाले लोगों को खुद के मानसिक विकास के लिए बहुत कम समय मिलता है। व्यक्ति हमेशा रोटी और मक्खन के फेर में भटकता रहता है। हर वक्त यही सोच और यही समस्या हावी रहती है। व्यक्तित्व के उन्नयन और क्रमिक विकास के लिए जिंदगी में न्यूनतम जरूरतों को पूरा कर सकें, बस इतने ही साधनों की जरूरत होती है।

बौद्धिक विकास करें

दो मानवों के बीच कोई मूलभूत अंतर नहीं है। सभी जीवन के लिए उर्जा एक ही जगह से पाते हैं। इसलिए विभेदों और झगड़ों के बारे में बात करना मानवीयता के विरुद्ध है। एक मैक्रोकासिमक इकाई में छोटी दुनिया बड़ी दुनिया से अपेक्षाकृत अधिक बड़ी होती है। इसी प्रकार माइक्रोकासिमक इकाई में भी होता है। मानवों को अपने बौद्धिक विकास की तरफ अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होगा तो दिमाग पदार्थ में तब्दील हो जाएगा। दिमाग कभी भी रूका हुआ नहीं हो सकता है। इसलिए सभी को समान अवसर मिलने की जरूरत है। दुर्भावना ग्रसित रहना एक मानसिक बीमारी है। व्यक्ति के बौद्धिक विकास की खोज ही वास्तविक तलाश है। जबकि बौद्धिकता अस्थायी मुक्ति के बाद ही पाई जा सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**